E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 310 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 13 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बटद्रवा थान परियोजना दिसंबर में होगी राष्ट्र को समर्पित : मुख्यमंत्री — पेज 2

सीबीआई ने नेहू के प्रोफेसर को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा — पेज 3

केंद्र सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का पहुंचाया ... — पेज 5

डब्ल्यूटीसी फाइनल : पहले दिन गेंदबाजों का रहा बोलबाला, 14 विकेट गिरे — पेज 7

अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 241 यात्रियों की मौत

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सभी नेताओं ने जताया दुख

जानकारी मिलते ही घटनास्थल पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

अहमदाबाद (हि.स.)। गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार दोपहर को सरदार पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह जिस इलाके में गिरा वहां भी भारी तबाही हुई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है। नागर विमानन महानिदेशालय ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। दुर्घटनास्थल पर व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री समेत तमाम नेताओं ने इस पर दुख जताया है। एअर इंडिया का यह विमान टेक ऑफ करते ही हवाई अड्डे के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त होकर मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। इसमें कई छात्रों की मौत की आशंका है। कैप्टन सुमित सभरवाल, सह पायलट क्लाइव कुंदर के साथ विमान उड़ा रहे थे। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी नाम है। एअर इंडिया के मुताबिक, बोइंग 787-8 दोपहर 13 बजकर 38 मिनट पर टेक ऑफ हुई थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद विमान के पायलट ने एटीसी को *मेडे* यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गई कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे के निकट के इलाके में गिर गया और दुर्घटनास्थल से काले धुएं के गुबार -शेष पृष्ठ दो पर

विमान हादसे में पूर्व सीएम विजय रुपाणी का निधन

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन गुरुवार को क्रैश हुआ। इस विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का निधन हो गया। विमान में सवार सभी 204 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, वो अपने परिवार से मिलने लंदन जा रहे थे। इस विमान में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी के अलावा कार्गो मोटर्स के मुखिया प्रमुख नंदा और लुबी के निदेशक सुभाष अमीन भी मौजूद थे। वो पैसेंजर लिस्ट में पैसेंजर नंबर 12 थे। -शेष पृष्ठ दो पर

विमान हादसा : 20 ट्रेनी डॉक्टरों की मौत की आशंका

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को एक भीषण विमान हादसा हुआ है। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार को एअर इंडिया का एक यात्री विमान क्रैश हो गया। ये विमान टेक ऑफ करने के बाद एक रिहायशी इलाके में क्रैश हुआ है। विमान के क्रैश होने से मेघानी नगर इलाके में बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल की इमारत को भी भारी नुकसान पहुंचा है। बता दें कि अहमदाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

हादसे में बचे शख्स ने सुनाई आपबीती, कहा- आंख खोली तो चारों ओर लाशें थीं

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन क्रैश हो गया। यह प्लेन अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। खबरों के मुताबिक, प्लेन में 242 पेसैंजर सवार थे। जानकारी के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

दुर्घटनाग्रस्त विमान में पूर्वोत्तर की दो युवतियां थीं क्रू मेंबर

गुवाहाटी (हि.स.)। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पूर्वोत्तर की दो युवतियां सवार थीं। इनमें से एक मणिपुर की कंब्राइलाटापम नगंथोई शर्मा और दूसरी मिजोरम की लामनुंथीम सिंघसन हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपए की घोषणा की

नई दिल्ली (हि.स)। टाटा समूह ने गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 फ्लाइट संख्या एआई171 की दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 1-1 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा की है। इसके अलावा समूह सभी घायल यात्रियों को चिकित्सा कवर की सुविधा भी मुहैया कराएगी। इस विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया फ्लाइट एआई171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। चंद्रशेखरन ने लिखा है कि -शेष पृष्ठ दो पर

हादसे के विजुअल बेहद भयानक : ब्रिटिश पीएम

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद, लंदन जाने वाले एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शोक व्यक्त किया है। इस विमान में 53 ब्रिटिश नागरिकों सहित कुल 242 लोग सवार थे। स्टॉर्मर ने एक बयान में कहा कि कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बटद्रवा थान परियोजना दिसंबर में होगी राष्ट्र को समर्पित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में प्रख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना पद्मविभूषण डॉ. सोनल मानसिंह को *श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2023* से सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित *श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार* में आयोजित हुआ। 1986 में स्थापित यह पुरस्कार पत्रकारिता, कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को महापुरुष श्रीमन्त शंकरदेव के पवित्र नाम पर दिया जाता है। इसमें प्रशस्ति पत्र, स्वर्ण पदक, अंगवस्त्र और पांच लाख रुपए की नकद राशि प्रदान की जाती है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने डॉ. सोनल मानसिंह को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विश्वविख्यात साधिका को यह सम्मान असम की जनता के लिए गर्व की बात है। उनकी नृत्य साधना ने न केवल सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया, बल्कि सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरणीय संतुलन जैसे विषयों को भी मंच पर उठाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. मानसिंह ने *सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांसेज* की स्थापना कर युवा प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि शंकरदेव जी की शिक्षाएं सार्वभौमिक भाईचारे और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक हैं। असम सरकार द्वारा उनके जन्मस्थान बटद्रवा में 200 करोड़ रुपए की लागत से *शंकरदेव सांस्कृतिक परिसर* का निर्माण अंतिम चरण में है, जिसे दिसंबर में राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के योगदानों पर अध्ययन हेतु जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, विश्व भारती विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय में उनके नाम की पीठ की स्थापना हो चुकी है। साथ ही तेजपुर विश्वविद्यालय में भी एक पीठ स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बटद्रवा से कूचबिहार तक 21 धार्मिक स्थलों को जोड़कर धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा रहा है, जिनमें बरदुवा, धुवाहाट-बेलागुरी, मधुपुर, चिलाराय गृह (फुलबाड़ी) आदि शामिल हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र द्वारा उनके जीवन व कार्यों पर बहुभाषीय पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसे असमिया, हिंदी, अंग्रेजी, बोडो, राभा, तिवा, देउरी, कार्बी, नेपाली, मिसिंग, डिमासा सहित अन्य भाषाओं में अनूदित किया जाएगा। कलाक्षेत्र के विकास हेतु 100 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सोनल मानसिंह जैसी विभूति को यह सम्मान भावी पीढ़ियों को शंकरदेव जी की विरासत, करुणा और समावेशिता के बारे में जानने और अपनाने की प्रेरणा देगा। सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. मानसिंह ने कहा कि असम से उनका पुराना संबंध है और वैष्णव दर्शन ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। उन्होंने बरगीत की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसे अपने नृत्य में समाहित करने के नए प्रयास करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एनआरसी में नाम हुआ तो भी विदेशियों को निर्वासित करेंगे : सीएम

गुवाहाटी। अमस के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मौजूदा नीति विदेशियों को निर्वासित करना है फिर चाहे उनका नाम एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) में क्यों न हो। सीएम ने कहा कि जिस तरह से एनआरसी को तैयार किया गया है, उससे कई सवाल और शक पैदा होता है। किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने के लिए एनआरसी ही अकेला दस्तावेज नहीं हो सकता। एनआरसी, असम में रहने वाले भारतीय नागरिकों का एक आधिकारिक रिकॉर्ड है, जिसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में अपडेट किया गया। एनआरसी को 31 अगस्त, 2019 को जारी किया गया, जिसमें 19 लाख से अधिक आवेदक शामिल नहीं थे। हालांकि, इसे भारत के महापंजीयक द्वारा अधिसूचित नहीं किया गया। जिससे इस दस्तावेज की कोई आधिकारिक वैधता नहीं रह गई है। दरंग में बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कई लोगों ने गलत तरीकों का इस्तेमाल करके एनआरसी में अपना नाम दर्ज कराया था। इसलिए अगर अधिकारियों को पूरी तरह से यह यकीन हो जाए कि संबंधित व्यक्ति विदेशी है तो हमने (विदेशियों को) वापस भेजने की नीति अपनाई है। गौरतलब है कि पिछले महीने ही पूरे असम से संदिग्ध नागरिक होने के संदेह में बड़ी संख्या में लोगों को पकड़ा गया है। देशव्यापी अभियान के तहत इनमें से कई लोगों को वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। सीएम ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि एनआरसी में नाम होना ही यह निर्धारित करने के लिए पर्याप्त है कि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी नहीं है। शर्मा ने आरोप लगाया कि सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक हर्ष मंदर दो साल तक असम में रहे और उन्होंने राज्य के कुछ युवाओं को शिक्षा के लिए अमेरिका और इंग्लैंड भेजा तथा उन्हें एनआरसी में हेरफेर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद ये मामले मेरी जानकारी में आए। 9 जून को विधानसभा के विशेष सत्र में विदेशियों की पहचान और निर्वासन पर बोलते हुए शर्मा ने कहा था कि राज्य सरकार इसके लिए अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 को लागू करेगी, जो जिला आयुक्तों को अवैध अप्रवासियों की घोषणा करने और उन्हें बाहर निकालने की अनुमति देता है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 7,154 हुई

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। गुरुवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की 7,154 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 33 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान तीन कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत दर्ज की गई। इनमें से एक मध्यप्रदेश और दो महाराष्ट्र में मौत हुई है। वहीं कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 9556 है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक लगभग सभी राज्यों में कोरोना के सक्रिय मामलों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। केरल में सबसे अधिक मामले हैं। यहां सक्रिय मामलों की संख्या 2,165 है। गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में काफी संख्या में सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं। गुजरात और पश्चिम बंगाल में क्रमश: 1,281 और 747 मामले हैं। दिल्ली में 731 और महाराष्ट्र में 615 कोरोना के मामले हैं।

बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़, भाजपा ने की घटना की निंदा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश से जुड़े इस पूरे मामले को सरकार ने बड़ी ही संवेदनशीलता से लिया है। डॉ. पात्रा ने गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान को लिखा। भारत के राष्ट्रगान *जन-गण-मन* को रवींद्रनाथ जी की कलम ने ही संजोया। बांग्लादेश के राष्ट्रगान को भी उन्होंने ही लिखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस घर पर हाल ही में हमला किया गया था, जिसे जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम के सदस्यों ने अंजाम दिया था। ये हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया। भाजपा प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि टैगोर कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे असाधारण विविधता वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपने साहित्य, दर्शन और दृष्टि के माध्यम से दुनिया को बहुत योगदान दिया। टैगोर सीमाओं तक सीमित नहीं थे; उनकी विरासत राष्ट्रों से परे थी। रवींद्रनाथ टैगोर के दादा दी द्वारकानाथ टैगोर ने 1840 में ढाका से लगभग 125 किमी दूर सिराजगंज में दो मंजिला घर बनवाया था। डॉ. पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का व्यवहार उचित नहीं है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहां की सरकार इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्मारक को बचा कर नहीं रख सकी। भाजपा प्रवक्ता के नाते बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की हम निंदा करते हैं। जब उनके घर पर हमला होता है, तो सिर्फ इमारत ही नहीं बल्कि उनके सोचने के तरीके पर भी हमला होता है। हम वैश्विक समुदाय से इस कृत्य के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते हैं।

छह दिवसीय असम और मेघालय दौरे के बाद लौटा भूटानी प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी (हिंस)। छह दिनों के असम और मेघालय दौरे के पश्चात गैलेफु माइंडफुलनेस सिटी परियोजना से जुड़े भूटानी सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से विदाई ली। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने असम और मेघालय के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और निवेश की संभावनाओं का मूल्यांकन किया। दौरे का उद्देश्य दोनों राज्यों के साथ सहयोग और साझेदारी के नए मार्ग तलाशना था।

भारतीय पत्रकारिता में ऐतिहासिक योगदान के लिए *हिन्दुस्थान समाचार* को सम्मानित किया जाएगा

मुंबई (हि.स.)। विश्व संवाद केंद्र, मुंबई की ओर से इस वर्ष 77 वर्षों से संचालित बहुभाषी समाचार एजेंसी *हिन्दुस्थान समाचार* को देवर्षि नारद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। हर साल मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पत्रकारों को *देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान* दिए जाने का यह रजत जयंती वर्ष है। उस अवसर पर मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 11 लोगों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह 14 जून को बांद्रा पूर्व में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स की एनएसई बिल्डिंग में आयोजित किया जाएगा। द *इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप* के कार्यकारी निदेशक अनंत गोयनका सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पश्चिमी विभाग के कार्यकारिणी सदस्य राजाभाऊ मुले होंगे। इसके साथ ही साप्ताहिक विवेक पत्रिका की संपादक अश्विनी (कविता) मयेकर को पत्रकारिता में उनके विशेष योगदान के लिए विश्व संवाद केंद्र, मुंबई की ओर से इस वर्ष देवर्षि नारद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा समीर कर्वे (प्रिंट मीडिया), संदीप रामदासी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया), शैलेश गायकवाड़ (सोशल मीडिया) को उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सोशल मीडिया पुरस्कारों में जय गगन को यूट्यूब, मृगा वर्तक को फेसबुक, सुनीता पावस्कर और अमोल जामदारे को इंस्टाग्राम के लिए सम्मानित किया गया है। पत्रकारिता में सर्वश्रेष्ठ छात्र के रूप में सूरज चौगुले को सम्मानित किया जाएगा।

एयर इंडिया विमान हादसे से स्तब्ध और आहत हूं : ब्रिटिश किंग चार्ल्स

लंदन। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 गुरुवार को उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार सभी 242 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 53 ब्रिटिश नागरिक भी शामिल थे। घटना के बाद ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राजा चार्ल्स की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि मेरी पत्नी और मैं अहमदाबाद में हुई इस भयानक दुर्घटना से गहराई से आहत हैं। हम इस त्रासदी से प्रभावित परिवारों और देशों के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और प्रार्थनाएं भेजते हैं। साथ ही उन्होंने भारतीय आपातकालीन सेवाओं और बचावकर्मियों के प्रयासों की भी सराहना की। गैटविक एयरपोर्ट (लंदन) की ओर जा रही यह उड़ान गुरुवार को दोपहर 1:40 बजे (स्थानीय समयानुसार) टेकऑफ के तुरंत बाद अहमदाबाद स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज की इमारत से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान ने अचानक ऊंचाई खो दी और जलते हुए इमारत से टकरा गया। स्थानीय पुलिस प्रमुख जी.एस. मलिक ने बताया कि हादसे में किसी के जीवित बचने की संभावना नहीं है। अब तक करीब 30 शव बरामद किए जा चुके हैं और बचाव कार्य लगातार जारी है। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई नागरिक सवार थे। इनमें 11 बच्चे भी थे, जिनमें दो नवजात शामिल थे। विमान में 2 पायलट और 10 केबिन क्रू भी सवार थे। विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि यह हादसा टेकऑफ के दौरान इंजन फेल होने या पक्षियों के टकराव से हुआ हो सकता है। पूर्व वायुसेना पायलट कर्नल जॉन डेविडसन ने कहा कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान ने गति तो पकड़ ली थी लेकिन ऊंचाई नहीं ले सका। इससे अंदेशा है कि टेकऑफ के दौरान इंजन में खराबी या पक्षी टकराने की घटना हुई होगी। वहीं कैप्टन सौरभ भटनागर ने बताया कि वीडियो देखकर लगता है कि दोनों इंजन शायद एक साथ बंद हो गए हों, जो पक्षियों के टकराव से हो सकता है। विमान का संचालन कैप्टन सुमीत सभरवाल कर रहे थे, जिनके पास 8,200 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव था। यह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान था, जो 11 साल पुराना था और तकनीकी रूप से फिट माना जा रहा था। भारत सरकार और विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ब्लैक बॉक्स और एयर ट्रैफिक डेटा के जरिए दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा

दुनियाभर के नेताओं ने जताया दुख भारत के प्रति एकजुटता का संदेश

अहमदाबाद (हि.स.)। अहमदाबाद में आज दोपहर एयर इंडिया की लंदन जाने वाले विमान के दर्दनाक हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस भयावह दुर्घटना में 200 से अधिक यात्रियों की जान गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पीड़ितों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद देशभर में शोक की लहर है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी संवेदनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। दुनियाभर के नेताओं और प्रमुख हस्तियों ने इस त्रासदी पर शोक व्यक्त किया और भारत के प्रति अपनी एकजुटता दिखाई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लिखा कि इस दुख की घड़ी में मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पीड़ितों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्वीट किया कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से मैं बेहद दुखी हूं। इटली सरकार इस दुखद समय में भारत के साथ खड़ी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि इस त्रासदी ने सभी को झकझोर दिया है। विमान में एक कनाडाई नागरिक भी सवार था। हमारी संवेदनाएं सभी पीड़ितों के साथ हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने लिखा कि यह खबर अत्यंत दुखद है। इस समय में ऑस्ट्रेलिया, भारत के साथ अपनी पूरी संवेदना प्रकट करता है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्वीट किया कि इस भयावह विमान हादसे की खबर सुनकर दिल टूट गया है। मेरी प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि इस त्रासदी से हुए नुकसान पर पीएम नरेंद्र मोदी मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया पीड़ितों के परिजनों को मेरी सहानुभूति और समर्थन पहुंचाएं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि हम भारत में हुई इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के साथ हैं। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि इस त्रासदी में हम भारत के साथ खड़े हैं और हरसंभव सहयोग देने को तैयार हैं। आयरलैंड के प्रधानमंत्री मीकाल मार्टिन, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर, श्रीलंका के कार्यकारी अध्यक्ष अनुरा कुमारा दिसानायके और वेटिकन के पोप लियो चौदहवें ने भी अपने-अपने संदेशों में इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और भारत के साथ एकजुटता का संदेश भेजा है।

पृष्ठ एक का शेष

अहमदाबाद से लंदन ...

निकलने लगे। विमान ने टेकऑफ करने के बाद महज 625 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरी लेकिन इसके बाद विमान 400 फीट प्रति सेकेंड की गति से नीचे आने लगा और 60-70 सेकेंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त विमान अहमदाबाद के मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। भीषण विस्फोट के साथ विमान जलकर राख हो गया। दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा गया। यहां भी कई छात्रों के मौत की आशंका है। हादसे के बाद अहमदाबाद आयुक्त जीएस मलिक ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतीत होता है कि विमान दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि चूंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जहां कार्यालय भी थे, इसलिए कुछ स्थानीय लोग भी चपेट में आए होंगे। उन्होंने कहा कि हताहतों की सटीक संख्या का पता लगाया जा रहा है। मृतकों की पहचान के लिए यात्रियों के परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जाएंगे। हादसे के बाद सीआईएसएफ कर्मियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल सक्रिय किया और घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं के साथ बचाव अभियान शुरू किया गया। एनडीआरएफ की तीन टीमें घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन में हिस्सा लिया। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया और घायलों को वहां भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हादसे को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दु:खद बताया है। मुख्यमंत्री पटेल, राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी और आरोग्य मंत्री ऋषिकेश पटेल घायलों का हाल जानने के लिए सिविल अस्पताल पहुंचे। राज्य सरकार ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। संबंधित व्यक्ति नियंत्रण कक्ष से फोन नंबर 079-232-51900 तथा मोबाइल नंबर 9978405304 पर सम्पर्क कर सकते हैं। एअर इंडिया की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट पर दी गई जानकारी के मुताबिक यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1800 5691 444 शुरू किया गया है। समर्पित यात्री हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 के अलावा, विदेशी नागरिकों के लिए एक और हॉटलाइन नंबर +91 8062779200 जोड़ा है। एयर इंडिया ने मीडियाकर्मियों से अनुरोध किया है कि वे समर्पित यात्री हॉटलाइन नंबर पर कॉल न करें। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच करेगा।

विमान हादसे में पूर्व ...

विजय रूपाणी के करीबी नितिन भारद्वाज ने बताया कि रूपाणी लंदन अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। उनकी बेटी लंदन में रहती हैं। जागरण नेशनल ब्यूरो ने जानकारी दी कि विजय रुपाणी उन 242 लोगों में शामिल थे, जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, वो अपने बेटे से मिलने लंदन जा रहे थे। विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई, सात पुर्तगाली सवार थे। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। विमान टेकऑफ के महज कुछ मिनट बाद अनियंत्रित होकर बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हॉस्टल की दीवार चीरकर आर-पार हो गया।

विमान हासदा : 20...

से लंदन जा रहा विमान उस समय हादसे का शिकार हो गया, जब विमान ने उड़ान भरी। उड़ान भरने कुछ समय बाद ही ये विमान क्रैश हो गया और मेघानी नगर इलाके के रिहायशी इलाके में एक इमारत से जा टकराया। बताया जा रहा है कि इस विमान के हॉस्टल का इमारत से टकराने के कारण कम से कम 20 प्रशिक्षुओं की मौत की खबर है। हालांकि, इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, अहमदाबाद एयरपोर्ट को आज रात 12 बजे तक बंद करने की घोषणा की गई है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के समय इमारत में कम से कम 200 लोग मौजूद थे, जिसे देखते हुए अब मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बता दें कि एअर इंडिया का का बी-787 विमान वीटी-एएनबी, अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान हादसे में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। इस विमान में क्रू मेंबर के साथ 242 लोग सवार थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है। घटनास्थल के लिए गृहमंत्री अमित शाह रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

दुर्घटनाग्रस्त विमान में ...

ये दोनों ही विमान में केबिन क्रू मेंबर के तौर पर काम कर रही थीं। अब तक मिली रिपोर्ट के मुताबिक विमान में क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। पूर्वोत्तर की दो युवतियों क्रमश: मणिपुर की कंब्राइलाटापम नगंथोई शर्मा और मिजोरम की लमनुंथीम सिंघसन के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

टाटा ग्रुप ने मृतकों ...

हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि देगा। घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेगा और सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त बी.जे. मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेगा। समूह की तरफ से कहा गया है कि वे इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़ा है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद से लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पांच मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के पास घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में जा गिरा।

आंख खोली तो ...

विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस हादसे में एक पैसेंजर की जान बच गई है। उनका नाम रमेश विश्वस कुमार बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब आंख खुली, तो चारों ओर लाशें ही लाशें थीं। मैं डर गया। इसके बाद मैं खड़ा हुआ और बस दौड़ने लगा। उन्होंने आगे कहा कि टेकऑफ के करीब 30 सेकंड बाद जोरदार आवाज आई और फिर विमान जमीन से टकरा गया। सब कुछ इतना तेज हुआ कि समझने का मौका ही नहीं मिला। रमेश के सीने, आंखों और पैरों में गंभीर चोटें हैं। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनका नाम रमेश विश्वस कुमार बताया जा रहा है। वे 11ए सीट पर सफर कर रहे थे। यह जंकारी अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने दी है। बता दें कि इस विमान में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक भी सवार थे। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी निधन हो गई।

हादसे के विजुअल...

आ रहे विमान के भारतीय शहर अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने का दृश्य भयावह है। उन्होंने कहा कि मुझे पल-पल की जानकारी दी जा रही है तथा इस अत्यंत दुखद समय में मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने सोशल मीडिया पर प्रभावित लोगों के प्रति अपनी सवंदेना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत के अहमदाबाद में हुए विनाशकारी विमान हादसे की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। ब्रिटेन भारत में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्यों का तत्काल पता लगाने और सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि वह भारत में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्यों का तत्काल पता लगाने और हादसे के शिकार लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। इसने वाणिज्य दूतावास सहायता के लिए एक संपर्क नंबर भी जारी किया। एफसीडीओ ने कहा कि जिन ब्रिटिश नागरिकों को कांसुलर सहायता की आवश्यकता है या जिन्हें मित्रों या परिवार के बारे में चिंता है, उन्हें 020 7008 5000 पर कॉल करना चाहिए। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान को स्थानीय समयानुसार शाम छह बजकर 25 मिनट पर लंदन के गैटविक हवाई अड्डे पर उतरना था। लेकिन गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद उड़ान संख्या एआई 171 दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

असम-अरुणाचल सीमा से लगे शांति भगलपुर में पगला नदी का कहर

उदालगुड़ी (हिंस)। माजबट के असम-अरुणाचल सीमा से लगे शांति भगलपुर में पगला नदी के कहर से ग्रामीणों में आतंक पैदा हो गया है। नदी के पानी ने भगलपुर गांव की सैकड़ों बीघा कृषि भूमि को बर्बाद कर दिया है। बारिश के मौसम में अरुणाचल प्रदेश से आ रही पानी के तेज धाराएं हर वर्ष गांववासियों के लिए खतरा उत्पन्न करती हैं। तटबंध के अभाव के कारण गांव का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त होने की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष स्थानीय विधायक चरण बोड़ो को इस बारे में सूचित करने के बाद वहां तटबंध का निर्माण किया गया। लेकिन विधायक की छत्रछाया में तटबंध का काम बहुत खराब होने की शिकायत लोगों ने की है। इस कारण पिछले वर्ष की बारिश के पहली बरसात में ही विधायक द्वारा बनवाए गए तटबंध की मिट्टी बह गई। इस बार भी बारिश के समय पानी की तेज धारा के कारण लोग चिंता में हैं। विकल्प के रूप में लोगों ने ओएसडी राजू ढाकाल के साथ मिलकर तटबंध के निर्माण का निर्णय लिया है। लोगों के आर्थिक सहयोग और ओएसडी की आर्थिक सहायता के बाद फिर से तटबंध का पुनर्निर्माण शांति भगलापुर गांव में पगला नदी पर शुरू किया गया। ग्रामीणों ने सरकार से तटबंध के निर्माण के लिए स्थायी कदम उठाने की मांग की है।

भाजपा अध्यक्ष सैकिया ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर जतायी गहरी संवेदना

गुवाहाटी (हिंस)। असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज दोपहर गुजरात के अहमदाबाद में हुई दुखद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक बयान में असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 की हृदय विदारक दुर्घटना पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की, जिसमें यात्रियों के साथ-साथ पायलट और कर्मचारियों सहित चालक दल के सदस्य सवार थे। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की। बयान में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मैं विमान में सवार प्रत्येक यात्री के परिवार की अकल्पनीय स्थिति के प्रति गहरी सहानुभूति रखता हूं। उन्होंने इस घटना में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सीबीआई ने नेहू के प्रोफेसर को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू) के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और गुवाहाटी के एक व्यवसायी को 3.43 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार प्रोफेसर की पहचान निर्मलेन्दु साहा के रूप में हुई है, जो नेहू में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के डीन और जुलॉजी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उनके साथ बेलतला, गुवाहाटी के व्यवसायी प्रांजल शर्मा को भी पकड़ा गया, जो सप्लाई फर्म का मालिक है और मामले में सह-आरोपी बताया गया है। सीबीआई को वैज्ञानिक उपकरण और लैब सामग्री की आपूर्ति से जुड़े अनुबंधों में गड़बड़ी की ठोस सूचना मिली थी। जांच एजेंसी का कहना है कि प्रोफेसर और कारोबारी मिलकर ठेकों को प्रभावित कर रहे थे और बिलों की क्लियरेंस के बदले रिश्वत ली जा रही थी। गुरुवार को सीबीआई की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, आरोपी निजी व्यक्ति, जो एक सप्लाई फर्म का मालिक है, ने नेहू के प्रोफेसर के साथ मिलकर आपूर्ति आदेशों को प्रभावित करने और बदले में अवैध लाभ प्राप्त करने की साजिश रची। मामले में कुछ अज्ञात लोग भी शामिल हो सकते हैं। उन्हें गुवाहाटी यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में की गई ट्रैप कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि बरामद की गई और दोनों आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सीबीआई ने दो ठिकानों पर छापेमारी कर आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं, जबकि तीसरे स्थान पर तलाशी अंतिम सूचना मिलने तक जारी है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को गुरुवार को गुवाहाटी की अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने बताया कि जांच का दायरा अब और बढ़ाया जा रहा है और नेहू से जुड़े अन्य लोगों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय से जुड़े अन्य अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है, क्योंकि जांच में भ्रष्टाचार के व्यापक नेटवर्क के संकेत मिले हैं।

कछार के काटिगोरा में सात बांग्लादेशी रोहिंग्या गिरफ्तार

कछार (हिंस)। असम में अवैध विदेशियों के खिलाफ सरकार के कड़े रुख के बीच कछार जिले के काटिगोरा इलाके से सात बांग्लादेशी रोहिंग्या नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि काटिगरा के चापलाई गेट इलाके में स्थित एक होटल में चाय पीने घुसे इन लोगों को सनातन हिंदू संगठन के सदस्यों और स्थानीय ग्राम रक्षक बल ने शक के आधार पर रोका और बाद में पुलिस को सूचित किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष, दो महिलाएं और तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में सभी ने खुद को बांग्लादेशी बताया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी वर्ष 2012 में अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और तभी से गुपचुप तरीके से रह रहे थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहम्मद जुबैर, मोहम्मद रशीद, रफिका बीबी और समसेरा बीबी के रूप में हुई है। साथ में मौजूद तीन बच्चों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है।

जागीरोड में निर्माणाधीन टाटा प्रोजेक्ट के आसपास से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

मोरीगांव (हिंस)। जागीरोड में प्रशासन की ओर से आज अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जागीरोड स्थित टाटा सेमी कंडक्टर प्रोजेक्ट के आसपास अवैध रूप से बने अस्थायी दुकानों को गुरुवार को प्रशासन द्वारा हटाया गया। इस अतिक्रमण अभियान में बड़ी संख्या में पुलिस, सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। अभियान के दौरान सड़कों के किनारे बनी अवैध दुकानों को तोड़ दिया गया। उल्लेखनीय है कि टाटा सेमी कंडक्टर प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य के दौरान ही प्रोजेक्ट के आसपास इन अवैध दुकानों का निर्माण किया गया था।

नदी से दो अज्ञात पुरुष और महिला के शव बरामद

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। असम के कार्बी आंग्लांग जिले के हावड़ाघाट थाना अंतर्गत यमुनागांव के दिगल पानी नदी में गुरुवार को दो अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने नदी में एक महिला और एक पुरुष का शव तैरते हुए देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हावड़ाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बरामद कर थाना ले गई। घटना के बाद यमुनागांव समेत पूरे हावड़ाघाट क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृत महिला ने चादर-मेखेला पहना हुआ था, जबकि पुरुष के शरीर पर गमछा था। इससे संदेह जताया जा रहा है कि दोनों मृतक संभवत: आदिवासी या जनजातीय समुदाय से हो सकते हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शव नदी में कहां से बहकर आए। अंतिम सूचना मिलने तक दोनों शवों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृत पुरुष की उम्र करीब 40 वर्ष और महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष आंकी गई है।

एटीएम धोखाधड़ी गिरोह चार सदस्य गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने एटीएम धोखाधड़ी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। वशिष्ठ पुलिस ने आज बताया है कि गिरोह के चारों सदस्यों को बीती रात बरपेटा के कोयाकुची और बाक्सा जिले से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अमीनुल हक, साहिदुल इस्लाम, लुत्फुर रहमान और मेहबूबुर रहमान शामिल हैं। गिरफ्तार सभी आरोपी गुवाहाटी के बेहारबारी में भाड़े के मकान में रहते हुए अपनी गतिविधियां चला रहे थे। गुवाहाटी के विभिन्न हिस्सों में चारों धोखाधड़ी करते थे। विशेष रूप से वृद्ध और अशिक्षित व्यक्तियों को यह गिरोह अपना लक्ष्य बना रहा था। बेहारबारी स्थित किराए के घर पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर 39 एटीएम, एक पासबुक, दो चेकबुक और पांच मोबाइल बरामद किए। पुलिस ने अपराधियों के कब्जे से एक चार पहियान वाहन (एएच-01एफए-6066) को भी जब्त किया। ज्ञात हो कि बीते दो जून को बेलतला एसबीआई बैंक में उमेश कलिता नामक एक बुजुर्ग से धोखाधड़ी कर उनका एटीएम अपराधियों ने बदल दिया था। इसके बाद उमेश द्वारा बशिष्ठ थाने में एक मामला दर्ज कराया गया। दर्ज मामले के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाकर सभी को गिरफ्तार किया। अधिक जांच के लिए चारों से बशिष्ठ पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

तामुलपुर में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 14 जून को

तामुलपुर (हिंस)। आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में तामुलपुर जिला प्रशासन द्वारा 14 जून को एक जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह प्रतियोगिता तामुलपुर दुर्गा मंदिर परिसर में सुबह 9-30 बजे से आरंभ होगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग के लाभ और अभ्यास के प्रति सभी आयु वर्ग, विशेषकर छात्रों में जागरूकता फैलाना है। तामुलपुर जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र इसमें भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता चार वर्गों में आयोजित की जाएगी। जिनमें पहली श्रेणी 10 वर्ष से कम उम्र के प्रतिभागियों के लिए, दूसरी श्रेणी 10 से 18 वर्ष की उम्र के प्रतिभागियों के लिए, तीसरी श्रेणी 18 से 35 वर्ष की उम्र के प्रतिभागियों के लिए तथा चौथी श्रेणी 35 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागियों के लिए निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने जिले के स्कूलों और कॉलेजों के इच्छुक छात्रों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को तामुलपुर के कचुबाड़ी स्थित श्रीश्रीगोपाल और जगन्नाथ थान सत्र सभागार में जिला प्रशासन और पतंजलि के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा।

ऐतिहासिक ढेकियाखोवा बरनामघर में महापुरुष माधवदेव की जयंती का आयोजन

जोरहाट (हिंस)। गुरुवार को महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के एक प्रमुख शिष्य तथा नव वैष्णव धर्म के प्रचारक महापुरुष श्रीश्री माधवदेव का जन्मोत्सव है। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में प्रात: से ही नाम-प्रसंग शुरू हो चुका है। राज्य के अन्य स्थानों के साथ-साथ पूर्व जोरहाट के एक प्रमुख पीठ महापुरुष माधवदेव द्वारा स्थापित ऐतिहासिक ढेकियाखोवा बरनामघर में उल्लास और उत्साह के साथ गुरुजन की जयंती मनाई जा रही है। सुबह उषा कीर्तन, अक्षय दीपक तेल अर्पण, नाम प्रसंग, दिहा नाम आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने के बाद जनता के सहयोग से भागवत भ्रमण और सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई। उक्त कार्यक्रम में ढेकियाखोवा क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ समग्र उपरी असम के कई भक्ति वैष्णव भाग ले रहे हैं। हरिनाम की ध्वनि से पूरा वातावरण मुखरित हो गया है। आयोजकों ने बताया है कि शोभायात्रा के बाद मुख्य नाम और उसके बाद एक धर्मालोचन सभा, प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान और महापुरुषों की अमर कृति के बारे में चर्चा तथा रात तक भावना का प्रदर्शन किया जाएगा। महापुरुष माधवदेव की जयंती के अवसर पर ढेकियाखोवा में एक धार्मिक परिवेश में लोग सराबोर हैं।

डिगबोई लाखों रुपए के सोने के आभूषण समेत चार चोर गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। लाखों रुपए के सोने के आभूषण सहित चार चोरों को डिगबोई पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दूसरी ओर, चोरी के सोने के गहने खरीदने वाले एक सोनार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डिगबोई पुलिस ने आज बताया है कि बीती रात खुफिया सूचना के आधार पर चारों चोरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चोरों की पहचान तपन दास, हीरक ज्योति फुकन, रुस्तम हुसैन और पिंटू अली के रूप में की गई है। दूसरी ओर, सोनारी की पहचान तिनसुकिया के अरुण देव के रूप में रूप में की गई है। गत 26 मई को सुभम दुअरा नामक व्यक्ति के घर से लाखों रुपए के सोने के आभूषण को चोरों ने चुराया था। पुलिस गिरफ्तार चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

डॉ. सोनल मानसिंह को राज्यपाल ने श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार से किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। कला, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के भव्य उत्सव के रूप में गुरुवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक विशेष समारोह में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भारत की प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में श्रीमंत शंकरदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता, सौहार्द्र और समावेशिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि शंकरदेव केवल असम या पूर्वोत्तर के संत नहीं थे, बल्कि भारत की सामूहिक सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे। शंकरदेव द्वारा प्रचारित *एक शरण नाम धर्म* की चर्चा करते हुए कहा कि उनके योगदानों – जैसे बरगीत, अंकिया नाट और भागवत पुराण के अनुवाद ने सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया और जातिगत भेदभाव को तोड़ा। उन्होंने असम की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में शंकरदेव की भूमिका को अमूल्य बताया। राज्यपाल ने असम सरकार द्वारा बटद्रवा थान, पटवाउसी सत्र, शंकरदेव कलाक्षेत्र और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में श्रीमंत शंकरदेव पीठ की स्थापना जैसे प्रयासों की सराहना की। डॉ. सोनल मानसिंह को सम्मानित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह पुरस्कार न केवल उनके व्यक्तित्व को सम्मानित करता है, बल्कि भारतीय धरोहर को संरक्षित और आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने में उनके समर्पण को मान्यता देता है। उन्होंने कहा, उनकी नृत्य साधना, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक सेवा प्रेरणादायक है। डॉ. मानसिंह, जो भरतनाट्यम और ओडिसी नृत्य की मर्मज्ञ हैं, दशकों से भारतीय परंपरा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में लगी हैं। अंत में युवाओं से आह्वान किया कि वे श्रीमंत शंकरदेव के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लें और भारत के शाश्वत मूल्यों को अनुसंधान, अभिव्यक्ति और सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाएं। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री बिमल बोरा, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, प्रसिद्ध नर्तक पद्म भूषण जतिन गोस्वामी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रश्मिता होजाई की रहस्यमय मृत्यु की शीघ्र जांच हो : अभाविप

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मांग की है कि रेलवे विभाग की परीक्षा में भाग लेने के लिए दिल्ली गई रश्मिता होजाई की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की जांच हो एवं उनके परिवार को न्याय मिले। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में रेलवे विभाग की परीक्षा देने गई डिमा हासाओ जिले की रश्मिता होजाई गत 5 जून से लापता थीं। उनकी लाश 10 जून को उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे मिली। विद्यार्थी परिषद ने कहा कि परीक्षा देने के लिए देश की राजधानी दिल्ली गई डिमा हासाओ की बेटी रश्मिता की लाश ऋषिकेश में मिलने की घटना बहुत ही रहस्यमय है। अभाविप ने पूरे मामले की शीघ्र और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और असहाय रश्मिता के परिवार को न्याय दिलाने के लिए सरकार और प्रशासन से अपील की है। उल्लेखनीय है कि देश की राजधानी नई दिल्ली में पूर्वोत्तर सहित पूरे देश के कई हिस्सों के छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए और बहुत से लोग अपने जीवन-यापन के लिए रहते हैं। इसलिए भविष्य में इन लोगों के साथ फिर से रश्मिता जैसी घटना न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को उचित व्यवस्था करने के लिए अभाविप की ओर से मांग की गई है।

फकीराग्राम : लोंगा नदी के ऊपर पांच करोड़ की लागत से बनने वाले ब्रिज की विधायक रविराम नार्जारी ने रखी आधारशिला

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के बीटीसी के 7 नंबर फकीराग्राम क्षेत्र के अधीन डेबडिबी और नामापाड़ा गांव के बीच लोंगा नदी ऊपर पक्का ब्रिज निर्माण के लिए आज कोकराझाड़ के विधायक रबिराम नार्जारी नें आधारशिला रखी। विश्व बैंक के स्कीम के तहत 4 करोड़ 87 लाख रुपए में यह ब्रिज तैयार किया जाएगा। इस स्कीम को मंजूरी दिए जाने को लेकर असम के मुख्यमंत्री को विधायक रबिराम नार्जारी के साथ इलाके के लोगों ने धन्यवाद दिया है। देश स्वाधीन होने के बाद से ही इस इलाके के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहे थे। इलाके के लोग चिकित्सा सेवा, शिक्षा आदि समस्याओं का सामना कर रहे थे। इस ब्रिज को मंजूरी मिलते ही ग्रामाणों ने बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि फकीराग्राम के हर समुदाय लोग बीपीएफ दल के साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र में अगर किसी ने विकास कार्यों का काम किया है तो वह है रविराम नार्जा। वही दूसरी और उन्होंने कहा कि बीटीसी में इंडस्ट्री होना अच्छी बात है, लेकिन किसी का घर द्वार, सामाजिक रूप से तोड़कर इंडस्ट्री होने का कामना नहीं करते है। बीटीसी में बहुत ऐसा जगह है, जहां लोगों का घर नहीं है, वहां इंडस्ट्री स्थापना करना चाहिए।

लायंस उमंग का वार्षिक पुरस्कार वितरण व रंगारंग समारोह आयोजित

गुवाहाटी। महिलाओं की अग्रणी संस्थानों में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग के सत्र 2024 25 का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह गत बुधवार की शाम अध्यक्ष पायल चड्डा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। खानापाड़ा स्थित मधुबन में निर्मात्री अवार्ड नमक आयोजित समारोह का शुभारंभ लायंस जिलापाल श्रीमती सीमा गोयनका द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात क्लब की सदस्याओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम संयोजिका प्रीति भजनका ने सभी का स्वागत किया। इसके पश्चात अध्यक्ष पायल चड्डा ने अपना संबोधन रखते हुए वर्ष भर किए गए कार्यों के लिए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया एवं सदस्यों को अलग-अलग श्रेणियां में निर्मात्री पुरस्कार से अलंकृत किया। इस मौके पर सचिव स्वाति चौधरी ने वर्ष भर किए गए कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलापाल सीमा गोयनका ने अपने गृह क्लब उमंग के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्लब के मानव सेवा कार्यों को देखते हुए आज उन्हें जिलापाल होने के नाते भी काफी गर्व की अनुभूती हो रही है। इस मौके पर जिलापाल निर्वाचित पंकज पोद्दार, जिलापाल (प्रथम) मनोज भजनका, जिलापाल द्वितीय राजेश अग्रवाल ने भी अपने संबोधन में लायंस उमंग के जनकल्याण कार्यों की जमकर सराहना की। अध्यक्ष पायल चढ़ा ने पुरस्कार वितरण कार्यों को आगे बढ़ते हुए रितु बंका को *निर्मात्री कर्मशक्ति ऑफ द ईयर* के पुरस्कार से नवाज। वही मनोज भजनका को द्रोणाचार्य ऑफ द ईयर, सीमा गोयनका को लुमिनरी ऑफ द ईयर, स्वाति चौधरी व बबीता मोर को लायन ऑफ द ईयर, पूर्व जिलापाल सुधीर चौधरी को द गाइडिंग लायन अवार्ड, दिलीप सराफ को आर्किटेक्ट ऑफ इनसाइड अवार्ड, संतोष बंका को हेल्पिंग हैंड अवार्ड, विकास अग्रवाल (सीए) को द नॉर्थ स्टार अवॉर्ड, अमित चौधरी व मनोज मोर को द अनसीन एमवीपीएस, ऐश्वर्या काला को राइजिंग लायन अवार्ड, आरके चड्डा को मास्टरमाइंड बिहाइंड द मोमेंटम तथा रतन गोयनका को उनके विशेष सहयोग के लिए अवार्ड से नवाजा गया। इसके अलावा सीमा सोनी, काजल थर्ड, अर्चना अग्रवाल, सुनीता पारीक, पल्लवी जायसवाल, प्रीति भजनका, सरोज जालान, नीतू सराफ, अलका वर्मा, निभा सराफ, सीमा पाटनी, श्वेता चौधरी, रेनू अग्रवाल, प्रीति खेतान, आशा अग्रवाल, प्रियंका बेताला, प्रेरणा बुड़ाकिया, दिव्या सावोटिया, पायल जैन, संगीता भड़ेच, संगीता मोर, सीमा चौधरी, निधि अग्रवाल, सपना सिंघल, रिमा दास, डॉक्टर कीर्ति अग्रवाल, कुसुम जैन, आरती देवड़ा, तृप्ति मोर, मधुलिका बंका, कंचन मुरारका, डॉक्टर तदबीर अग्रवाल रामा शर्मा, पूनम केजरीवाल, प्रीति जैन, कीर्ति अग्रवाला, सरोज खेतान, रूपा शर्मा व लिपिका मोदी को *निर्मात्री सेवा रत्न* पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वही रेखा जालान, सुनीता मित्तल, संगीता अग्रवाल, नूपुर अग्रवाला, रेनू जैन, उर्वशी गर्ग, निशा बावरी, अनीता लोहिया, कीर्ति कोठारी, रचना मित्तल, बिमला कोचर, सुनीता अग्रवाल सुचिता मोजीका, श्वेता सोमानी, अनुपमा सिकरिया, नीलम जालान, कंचन पोद्दार, प्रतिमा केजरीवाल, संतोष मिंडा, पिंकी हवेलिया, सोनाली जैन, अंजू अग्रवाल, रचना केजरीवाल, ज्योति पुरोहित, पूनम तोदी, मंजू पसारी व सुशीला गुप्ता को *निर्मात्री सहयोग रत्न* पुरस्कार दिया गया। इधर सुनीता भड़ेच, मनीता धीरसारिया, सोनल अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, संगीता बड़जात्या, मुक्ता कसेरा, विशाखा सैंथोलिया, सरिता गाड़ोदिया, निशा जिंदल, माया दूधोडिया, अनीता चौधरी, लक्ष्य शर्मा, शर्मिला बजाज, आशा मुरारका, प्रियंका गर्ग, कृष्णा अग्रवाल, वीणा जसरासरिया, पूजा गोयनका, ज्योति खेमका, सीमा अग्रवाल, खुशी खेमानी, माया पटवारी, दीपाली हंसरिया सुखविंदर कौर को *निर्मात्री कर्म रत्न* पुरस्कार भेंट किया गया।

संपादकीय

'अच्छे दिन' का इंतजार है

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने 9 जून को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमद्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। भारत 1947 में आजाद हुआ था। तब से 2014 तक देश की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर थी, लेकिन इन 11 सालों के दौरान कुल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो गई और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह मोदी सरकार का करिश्मा नहीं है, बल्कि देश की बढ़ती आबादी का 'आउटपुट' है। जीडीपी का बुनियादी आधार जनसंख्या होती है, लेकिन चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रति व्यक्ति आय 2.31 लाख रुपए है। विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की हालिया रपटों में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 27 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। नतीजतन गरीबी की औसत दर 5 फीसदी से कुछ ज्यादा तक लुढ़क आई है। जो रोजाना 250 रुपए के करीब खर्च कर सकता है, उसे 'गरीब घर' आंका गया है। आईएमएफ और विश्व बैंक की रपटों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन बार-बार यह सवाल उठता रहा है कि यदि भारत सरकार करीब 81 करोड़ 'गरीब भारतीयों' को हर माह 'मुफ्त राशन' नहीं बांटेगी, तो क्या वे भूखों मर जाएंगे? भारत में गरीबी-रेखा के आधार और परिभाषाएं भिन्न हैं, लिहाजा आरएसएस का 'स्वदेशी जागरण मंच' अब भी स्वीकार करता है कि देश में करीब 11 करोड़ लोग 'गरीबी रेखा के नीचे' हैं। भारत में यह आर्थिक विरोधाभास कब खत्म होगा? या इसे खत्म किया ही नहीं जा सकता? बेशक भारत ने विकास किया है, नतीजतन 11 साल की औसत आर्थिक विकास दर 6.4 फीसदी है। यह विश्व में सर्वाधिक है। भारत में नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है, पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद नगण्य है और जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक चुनाव के बाद लोगों की अपनी सरकार अस्तित्व में है। अलगाववाद का सफाया हो चुका है। आतंकवाद के अवशेष अब भी हैं, लेकिन कश्मीर में आमूल परिवर्तन आया है। सवाल बुलेट ट्रेरन, स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप, स्टैंड अप, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्यात को लेकर अब भी हैं। भारत के मात्र 18 शहर इन 11 सालों में कथित रूप से 'स्मार्ट सिटी' की परिभाषा के दायरे में आ पाए हैं। देश के कई हिस्सों में नल के पाइप आदि तो दिखाई देते हैं, लेकिन उनमें जल अब भी गायब है, लेकिन देश में विकास का विस्तार जरूर हुआ है। औसतन 35 किमी हररोज सडक़ और राजमार्ग बन रहे हैं। अलबत्ता 'अच्छे दिनों' के लिए प्रतीक्षारत जरूर हैं।

लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष है। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमद्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है।

आप का नजरीया

हिमाचल में सैलानी संघर्ष

जून आते ही पर्यटन भीड़ बन जाता और ट्रैफिक लाचारी में फंस जाती है। रिकार्ड के लिए सैलानी चाहिएं तो अटल टनल का घेराव बताता है कि पर्यटन उद्योग वहां कैसा संघर्ष कर रहा है। पर्यटन के संघर्ष की तासीर फिर भी सुधारी जा सकती है, लेकिन सैलानियों के संघर्ष की व्यथा हर बार भारी पड़ती है। कसौली-डलहौजी, मकलोडगंज-शिमला और मनाली के रास्तों पर ट्रैफिक जाम के सिलसिले अंततः हैं तो सैलानियों के संघर्ष ही। बेशक सफर में हिमाचल गतिशील दिखाई देता है, लेकिन रास्तों की खबर परेशान करती है। पर्यटन को मापने का एक यंत्र अटल टनल है, जहां करीब दो महीनों में दो लाख से अधिक वाहन गुजर गए। क्या हमने सोचा इस ट्रैफिक को संचालित करने के लिए कितनी ट्रैफिक पुलिस चाहिए। क्या ऐसे पर्यटन का हालचाल पूछने के लिए पर्यटन पुलिस की अवधारणा को साक्षात नहीं करना होगा। दूसरी ओर ट्रैफिक पेट्रोलिंग के इंतजाम कम से कम इस सीजन की रखवाली तो करें। पिछले और इस साल के पर्यटन की भिन्नता सडक़ पर है, तो सुविधाओं और सौहार्द में भी तो कुछ इजाफा होना चाहिए। मनाली से अटल टनल के सफर को ही सुविधाओं से जोड़ दें, तो अफरा-तफरी का आलम कम से कम पर्यटक को परेशान तो नहीं करेगा। पर्यटकों के बीच वरिष्ठ नागरिक और बच्चों की तादाद भी खूब होती है। सीनियर सिटीजन और बच्चों के पर्यटन से जुड़े विषयों पर हिमाचल ने क्या किया और अगर युवा पर्यटकों की तादाद एक सीमा से अधिक हो गई, तो उसके खतरों के नियंत्रण के लिए हमने क्या किया। कश्मीर की वर्तमान स्थिति ने हिमाचल को अवसर दिया है कि यह राज्य अपने भीतर के कश्मीर को दिखाए। हिमाचल की प्रकृति जिस मुकाम पर है, वहां कितने ही सुरक्षित पहलगाम और गुलमर्ग मौजूद हैं। झीलें, झरने, एग्रो टूरिज्म और जैव विविधता के कई आयाम मौजूद हैं, लेकिन कभी रेणुका झील के दर्द को जानें, सूखती खजियार और धर्मशाला डल के नसीब तो जानें। यहां कितने केदारनाथ बर्फ से लदी चोटियों पर मौजूद हैं, लेकिन हमारी योजनाएं तो पर्यटन मंत्रियों या प्रभारियों की विधानसभाओं में जगराता करती रहीं। पिछले तीन दशकों में पर्यटन के नाम खंडहर हुए परिसर बताते हैं कि हम कितने क्षमतावान हैं। है हमारे पास भी धरोहर। चंबा के अस्तित्व के हजार सालों का औचित्य क्या पर्यटन में साबित हुआ। सुजानपुर, पुराना कांगड़ा का किला, मसरूर मंदिर और गरली-परागपुर के धरोहर गांव आखिर पर्यटन की त्रासदी बनकर क्यों रह गए। कब तक शिमला के माल रोड, मनाली के माल रोड, मकलोडगंज के स्क्वेर या डलहौजी के चौक को बेचोगे। कहां है कला-संस्कृति विभाग। क्या कर रहे हैं हमारे म्यूजियम और हिमाचली कलाकारों को लेकर कौनसे कार्यक्रम पर्यटक स्थलों पर शुरू हो रहे हैं। आखिर भाषा विभाग के बजट से बने सभागारों में पर्यटक सीजन के लिए कौनसा सांस्कृतिक उत्सव चल रहा। हां, कुछ नए उत्सव जरूर शुरू हुए जो राजनीतिक दुकानदारी के सत्ता दोहन में पंजाबी या बाहरी कलाकारों की फरमाइश में मतदाताओं के सामने नेताओं के सिक्के उछाल रहे हैं। आखिर पर्यटक के घंटे बढेंग़े, तो रुकने के दिन भी बढेंग़े। वनखंडी में जू की कल्पना, पौंग, गोविंदसागर या कोल डैम में नौका विहार बेशक महापर्यटन को आमंत्रित करेंगे, लेकिन पर्यटक स्थलों पर मनोरंजन के लिए पार्क, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हिमाचली बाजार तथा मनोरंजन व विज्ञान पार्क स्थापित करने होंगे। मनाली सिर्फ माल रोड की भीड़ नहीं, शांति की खोज भी है।

मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं

मोदी सरकार की उपलब्धियों के ग्यारह साल

उमेश चतुर्वेदी

मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है।

नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा। मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहीं सालगिरह मनाने जा

रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां है। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। उज्ज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52 करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन-धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है। जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका भी श्रेय मोदी सरकार को ही जाता है। देश सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सांस्कृतिक मोर्चे पर लगातार विकास कर रहा है। इस विकास में परंपरा, आधुनिकता और वैश्विक जुड़ाव का अद्भुत समावेश नजर आता है। मोदी सरकार की ही देन है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन का महाकाल लोक, मां कामाख्या मंदिर, राम मंदिर अयोध्या, केदारनाथ धाम और जूना सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। राममंदिर के निर्माण की उपलब्धि ही मोदी सरकार के खाते में जाती है। इसी दौरान उत्तराखंड में चारधाम राजमार्ग परियोजना, हेमकुंड साहिब रोपवे और बौद्ध सर्किट विकास जैसी योजनाएं शुरू हुईं। करतारपुर कॉरिडोर के चलते पाकिस्तान स्थित दरबार साहिब भारतीय सिखों के लिए सुलभ हुआ। इसी दौरान राष्ट्रनिर्माताओं को सम्मान देने की दिशा में प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और 11 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जैसे संस्थान बनाए गए। मोदी के कार्यकाल में ही देश की खोई धरोहरों की वापसी का अभियान तेज हुआ। 2013 से पहले विदेशों में चोरी से गई सिर्फ 13 प्राचीन वस्तुओं की ही वापसी हुई थी, जबकि 2014 के बाद से अब तक 642 प्राचीन वस्तुएं भारत लौटाई गई हैं, जिनमें से अकेले अमेरिका से 578 कलाकृतियां लौटी हैं। आयुर्वेद और योग की वैश्विक मान्यता भी मोदी सरकार की ही उपलब्धि कही जाएगी। मोदी सरकार के ही कार्यकाल में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बनी और उसे लागू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर उसका ही प्रतीक है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का खात्मा, 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक, जैसे कदम मोदी सरकार ने ही उठाए। मोदी के शासन काल में भारत ने ग्लोबल साउथ की अवधारणा को मजबूत करते हुए अफ्रीकी देशों से नए सिरे से संबंध बढ़ाए। रूस और यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी रोक-टोक के बावजूद भारत रूस से सस्ती दरों पर पेट्रोलियम तेल खरीदने में सफल रहा। उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिशें इसी दौर में तेजी से बढ़ीं। नक्सलवाद पर लगाम भी तेजी से इसी दौर में लगा। मोदी सरकार की उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी है। लेकिन भारत जैसे बहुभाषी, बहुरंगी देश में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आर्थिक आय की असमानता में संतुलन आज की बड़ी जरूरत है। भारत को यूरोप की तर्ज पर विकसित करने, प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने की जरूरत अब भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में भारत इन उपलब्धियों को भी हासिल करने में सफल रहेगा।

देश दुनीया से

मिट्टी के बर्तन अब मिट्टी में ही मिल गए

आदिकाल से ही मनुष्य ने अपने पेट की भूख को शांत करने के लिए सबसे पहले भोजन की तलाश की। कच्चे भोजन की उपलब्धता होने के बाद उसे पकाकर खाने की आवश्यकता महसूस हुई। इससे बर्तनों का आविष्कार हुआ। इसलिए बर्तनों का अस्तित्व प्राचीन काल से जुड़ा हुआ माना जाता है। शुरुआत खाना पकाने के बर्तन से हुई होगी तथा फिर अन्य बर्तन अस्तित्व में आए होंगे। समय के साथ ही बर्तनों के आकार-प्रकार में परिवर्तन हुआ और यह जीवन का अभिन्न अंग बन गए। पाषाण काल में पत्थर के बर्तन रहे होंगे। लेकिन समय बीतने के साथ ही मिट्टी के बर्तन अस्तित्व में आए होंगे। बीती शताब्दी के पूर्वाद्र्ध तक मिट्टी के बर्तनों का व्यापक प्रचलन रहा। इन बर्तनों को पवित्र (सुच्चा) माना जाता था। रसोईघर में अधिकतर बर्तन मिट्टी के ही होते थे। उन बर्तनों का निर्माण कुम्हार करता है। लेकिन अब इनका प्रचलन बहुत कम हो गया है। इसलिए बहुत से कारीगरों ने यह काम छोड़ दिया है। अब पूरे क्षेत्र में एक या दो व्यक्ति ही इस काम को कभी-कभार लोगों की मांग अनुसार ही करते हैं। बहुत कम लोग अब विवाह-शादी, धार्मिक अनुष्ठान, करवा चौथ व दीपावली आदि शुभ अवसरों के अलावा मृतक के किरया-करम में प्रयोग होने वाले छोटे-बड़े बर्तनों को साई देकर कुम्हार से बनवाते हैं। उन बर्तनों में मिट्टी की मंद-मंद खुशबू आती है। यह बहुत कारागिरी व परिश्रम का काम होता है। कुम्हार सबसे पहले अच्छी किस्म की चिकनी मिट्टी को इकठ्ठा करके उसे हत्थोड़ानुमा औजार से पीट-पीटकर बारीक करता है। बर्तन बनाने से पहले उसमें आश्यकतानुसार पानी मिलाकर गारा बनाया जाता है। गारा इतना मुलायम होता है कि कुम्हार उससे अपनी इच्छानुसार आकार देकर बर्तन बनाता है। बर्तन बनाने के लिए चाक नामक उपकरण प्रयोग में लाया जाता है। चाक का निचला भाग बैलगाड़ी के पहिए की तरह का होता है। पहिए के बीच मोटे डाय की गोल लकड़ी लगी होती है। चाक को घुमाया जाता और ऊपरी डाय वाले भाग पर गारे का पेड़ा दोनों हाथों से पकड़ कर रखा जाता। चाक को लगातार घुमाया जाता है और हाथों में पकड़े मिट्टी के गारे को बर्तन का आकार दिया जाता है। उस पर बेल पत्तियां आदि चित्र उकेरे जाते। पहले कच्चे बर्तन को धूप में सुखाया जाता और बाद में उसे आवा में रखा जाता। आवे में जली आग के अंगारों में बर्तन पक जाते हैं, लेकिन कई बार आवा में आंच (सेंक) ठीक नहीं होती। इससे आवे में रखे सारे बर्तन ही खराब हो जाते। इसको लेकर समाज में एक कहावत है। किसी का परिवार या बच्चे ठीक न हों तो कहा जाता है कि 'ये तां आवा ई ऊत आ।' घड़े में विशेषकर गर्मियों के दिनों पानी ठंडा रहता है। इसलिए इसे गरीबों का फ्रिज भी कहा जाता है। घड़े, घड़ोलू या घड़ोली का प्रचलन अब नाममात्र है। कुम्हार बड़े आकार के घड़े (माट) से लेकर छोटे दीपक (दियुठी) तक के सभी प्रकार के बर्तन बनाते थे। लेकिन मेहनत के अनुसार कीमत न मिलने के कारण अब मिट्टी के बर्तन बनाने का यह हुनर भी लुप्त होने के कगार पर है। बीती शताब्दी के पूर्वाद्र्ध तक घर में अधिकतर बर्तन मिट्टी के ही होते थे। उन बर्तनों को चूल्हे पर रखकर पानी भी गरम किया जाता था। उस समय खुले मुंह वाले बड़े-बड़े घड़ों में पानी जमा रखा जाता था। राह चलते मुसाफिरों को पानी पिलाना बहुत पुण्य का काम समझा जाता था। गांव की कुछ दूरी पर पीपल या वटवृक्ष के विशालकाय पेड़ों के नीचे तीन चार बड़े घड़े पानी से भर कर प्याऊ लगाए जाते थे। गांव का धार्मिक प्रवृत्ति का कोई व्यक्ति प्रतिदिन उन घड़ों के लिए पानी भरता था। आते-जाते राहगीर वहां ठंडा पानी पीते तथा प्याऊ लगाने वाले को अनगिनत आशीषें देते। माट (घड़ा) से छोटा घड़ा होता है। जब बावड़ी से पानी लाया जाता था, तब पुरुष ही उसमें पानी भर कर लाते थे। घड़ोलू या घड़ोली घड़े से छोटी होती थी। उसमें महिलाएं पानी भर कर लाती थी। साल या छह माह बाद जब घड़े या घड़ोली में पानी ज्यादा ठंडा नहीं रहता था, तब उसे दूध छोलने (बिलोरने) के काम में लाया जाता था। घड़े के ऊपर मिट्टी से बनी कुप्पी रखी जाती थी तथा दही को डालकर उसे बार-बार उस समय तक हिलोरे दिए जाते, जब तक उसमें माखन इक_ा नहीं जाता। पहले आम व गलगल आदि का आचार भी मिट्टी के घड़े या मिट्टी के अन्य बड़े बर्तन में डाला जाता था। दूध काढऩे के लिए भी खुले मुंह वाला मिट्टी का घड़ानुमा बर्तन प्रयोग में लाया जाता था। उसे दधोणु कहा जाता था। दूध कढऩे के बाद उसके निचले तल में रबड़ी की तरह पदार्थ जम जाता था। उसे घरोड़ी कहा जाता था। उसे खुरसने के लिए मिट्टी का ही कड़छीनुमा छोटा सा पात्र होता था। उसे घरोडणु कहा जाता था। बच्चे घरोड़ी को बड़े चाव से खाते थे। दूध काढऩे के बाद उसे बड़ी कुणाली में डाला जाता था। यह बर्तन पतीले की तरह होता था, लेकिन बनावट में उसे अंदर-बाहर दोनों ओर से गोलाई दी गई होती थी। उसके तल का ऊपर की अपेक्षा नीचे का कम डाय होता था। दूध को मीठी आंच में गर्म किया जाता तथा बाद में कुणाली में डालते। उबाले गए दूध के थोड़ा ठंडा होने पर उसमें कटोरी भर छाछ डाली जाती। उसे जगैण कहा जाता है। आठ-दस घंटे बाद उसका दही बन जाता। दही को बिलोरने के बाद जो माखन निकलता है, उसे छोटे आकार की कुणाली में तथा छाछ को मांगी में रखा जाता था। मांगी छोटे आकार का घड़ा जैसी होती थी। सप्ताह भर के बाद सारे माखन को कड़ाही में उबाला जाता है। उससे निकलने वाले झाग और कड़ाही के तल में जमने वाले पदार्थ को उठाकर किसी छोटे बर्तन में अलग रखा जाता। उसे मेहड़ू कहा जाता था। महिलाएं इसे पहले सिर नहाने के काम में लाया करती थी। इससे बाल नरम रहते थे। मात्रा के अनुसार गर्म घी में गलगल पेड़ के पते डाले जाते थे। उससे इसमें अलग खुशबू आती थी। घी को ठंडा होने पर मिट्टी के बर्तन में रखा जाता था। पहले जब घी बहुत अधिक मात्रा में होता था, उसे बड़े घड़े में डाला जाता था। उसे घीड़ा कहा जाता था। कम मात्रा में घी होने पर उसे मांगी में डाला जाता था। एक समय था जब दाल भी मिट्टी की हंडी में बनाई जाती थी। सुहागिन महिलाओं के व्रत करवाचौथ के करवे सभी मिट्टी के ही होते हैं।

कुछ अलग

छिमा जुडिशरी को चाहिए

देखिए जनाब! आप हमें जितना कोसना चाहें, कोस लीजिए। जितना लताडऩा चाहें, लताड़ लीजिए। जितना प्रताडऩा चाहें, प्रताड़ लीजिए। आपकी ताड़, प्रताड़ का हम पर कोई असर नहीं होने वाला। हम तो चिकने घड़े हैं जी! टॉप फिसलन वाली राजनीतिक जमीन पर खड़े हैं। जिस तरह जवानी में एक से एक संयमी जवान कहीं भी फिसल जाते हैं, उसी तरह हम बूढ़ राजनीतिक जवान कहीं भी फिसल जाते हैं। हम तो राजनीतिक पार्टियां बदलते विवादित बयान देते ही पले बढ़े हैं। हमने घाट घाट का नहीं, पार्टी पार्टी का पानी पिया है जनाब! हम पाउडर शाउडर से नहीं, विवादित बयानों से ही हम अपने को चमकाते हैं जनाब! हम विवादित बयानों से ही अपनी राजनीति का रथ सरपट दौड़ाते हैं। विवादित बयानों से ही यहां राजनीतिक युद्ध लड़े जाते हैं। जनाब! जब तक हम कोई विवादित बयान नहीं दे लेते, हमें खाना हजम नहीं होता। चाहे वह कितना ही पाच्य सुपाच्य क्यों हो। कान में कहते हैं जनाब! हम अपने बयान को लेकर सब कुछ होने वाले हैं, पर हम शर्मसार बिल्कुल नहीं होने वाले। हमारे यहां से शर्म काजनाजा कभी का उठ चुका है। शर्मसार हों वे जिनमें अभी भी शर्म बची हो। जनाब! आप तो जानते ही हैं कि सत्ता का नशा सब नशों में सबसे नशीला ही नहीं जहरीलाहोता है।

जनाब! चरस में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! गांजे में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! चूरा पोस्त में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! चिट्टा चुट्टा तो सत्ता के नशे के आगे कहीं भी नहीं ठहरता। जनाब! शराब, वोडका, व्हिस्की का नशा तो अब बाबा आदम के जामने का नशा हो गया है जनाब! जनाब! अब रही बात तंबाकू, खैनी, गुटखे की, तो इन्हें तो अब लेबर क्लास भी नहीं लेती। उनके बच्चे तो क्यों ही लेंगे। जनाब! ड्रग्स की महारानी कही जाने वाली हेरोइन में भी वह नशा नहीं जो पावर की मात्र एक चुटकी में रहता है। ये आज के कोकीन शोकीन, एलसीडी, स्पीड स्पुड बॉल, एमडीएमए, केटामाइन, क्रिस्टलमेथ भी कुर्सी के नशे के आगे पानी भी नहीं भरते जनाब! जनाब! इन्हें लेकर ही जब बड़े से बड़ा नशेड़ी बदजुबान, बदइंसान हो जाता है तो सोचो जनाब! सत्ता के नशे में चूरों का क्या होता होगा! सत्ता का नशा करने के बाद हमारी जुबान ही नहीं, हम पूरे लडखड़ा जाते हैं जनाब! मत पूछो तब हमें अपने को कितना संभालना पड़ता है। माफी चाहूंगा जनाब! नेता हैं तो कुर्सी के नशे से दूर रहते भी करना ही पड़ता है। वोटर नहीं कि रोटी से भी दूर रहें। दूसरी ओर सत्ता का न करें तो जनता लानत देती है। खुद को ही खुद से बदबू आती है। बीवी थू थू करती है। अब आप ही सजेस्ट करो जनाब! ऐसे में हम क्या कहें, क्या न कहें? अब जो आप अधिक ही प्रेशर डालते हैं तो लीजिए जनाब! हंसते हुए स्वीकारते हैं, हमारा बयान विवादित था। पर हमारे कहने का मतलब वह नहीं था जो लिया गया। बहुधा हमारे साथ होता ही ऐसा है कि हम कहते कुछ हैं और उसका अर्थ लिया कुछ जाता है।

दृष्टि कोण

समर्पण और त्याग के अविस्मरणीय उदाहरण

ऐसा समय जब स्वार्थ और अहम की विकृतियों के कारण अधिसंख्य मनुष्य निजी कल्याण के बारे में भी कत्त्तव्यनिष्ठ न हों, तब एक क्षण के लिए भी कुछ सोचे-समझे बिना अपने सहकर्मी अग्निवीर सैनिक के प्राण बचाने तेज बहती नदी में कूद जाना और इस प्रयास में उसके प्राण सुरक्षित करते हुए अपने जीवन की बलि दे देना, मानवीय तथा भावनात्मक रूप में मरणासन्न हो चुकी दुनिया में बलिदान का श्रेष्ठ उदाहरण है। ऐसे बलिदानी तथा महान सेनानी ही अपनी कत्त्तव्यनिष्ठा के प्रदर्शन द्वारा वैश्विक समाज के लिए परोपकार के सर्वोच्च मानक बनते हैं। मानव का जीवन जिन-जिन सिद्धांतों के आधार पर श्रेष्ठता प्राप्त करता है, ऐसा महान बलिदान उनमें अग्रणी है। बलिदान की यह घटना बृहस्पतिवार 22 मई 2025 की है। भारतीय सेना की सिक्किम स्काउट्स यूनिट एक अभियान के लिए उत्तरी सिक्किम में कार्यनियुक्त है। यह यूनिट एक तकनीकी परिचालन आधारशिविर की ओर बढ़ते हुए मार्ग बनाने की निगरानी कर रही थी। आधारशिविर को एक महत्त्वपूर्ण संरचना के रूप में तैयार किया जा रहा था ताकि भविष्य में ये सैन्यदल के लिए एक विशिष्ट शिविर बन सके। इस संपूर्ण कार्यक्रम का वास्तविक नेतृत्व लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी कर रहे थे, जो 14 दिसंबर 2024 को ही भारतीय सेना में कमिशन प्राप्त कर लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हुए थे। मात्र तेईस वर्षीय सेनाधिकारी के नेतृत्व में सैन्य निगरानी दल मध्याहन 11 बजे जब नदी के ऊपर बने एक लकड़ी के पुल से होते हुए आगे बढ़ रहा था, तभी अग्निवीर स्टीफन सुब्बा का चरणचालन असंतुलित हुआ और वे पर्वतीय शिखरों के बीच से होकर तीव्र प्रवाह में बहती जलधारा में गिर गए। शशांक तिवारी भी क्षण व्यर्थ किए ही उसी दिशा में कूद पड़े जहां सुब्बा गिरे थे। देखादेखी नायक पुकार कटेल ने भी सुब्बा और शशांक की सुरक्षा हेतु जलधारा में छलांग लगा दी। शशांक और पुकार के संयुक्त प्रयास से सुब्बा के प्राण तो बच गए, किंतु शशांक स्वयं नदी की तीव्रधार में डूबते हुए आगे बह गए। उनके निगरानी दल ने उन्हें खोजने-बचाने का यथासंभव प्रयास किया, किंतु उसे सफलता नहीं मिली और मध्याहन 11.30 बजे उनकी निष्प्राण काया घटनास्थल से लगभग 800 मीटर दूर ठहरी हुई मिली। युवा सेना अधिकारी का ऐसा प्राणोत्सर्ग न केवल सेना के लिए, अपितु संपूर्ण भारतवर्ष के लिए गर्व का प्रतीक है। शांतिकाल में सेनानी का ऐसा परोपकारी कर्मकत्त्तव्य यही अनुभूति कराता है कि भारतभूमि में जन्म लेने वाला ऐसा महान व्यक्तित्व प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। शशांक ने अपने जीवित अस्तित्व के उच्च परोपकारी आदर्शों द्वारा न केवल अपने अभिभावकों, मित्रों व संबंधियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया, अपितु उन्होंने सेना व भारतवर्ष को भी अप्रतिम गर्वानुभूति प्रदान की। साहस, वीरता, पराक्रम, बलिदान और परोपकार की यह घटना संपूर्ण मानवता के लिए एक स्वप्निल आदर्श-मानक को सच होते हुए देखने के समान है। युवा सैन्याधिकारी की वीरगति सेना के इस आदर्श को भी सशक्त करती है कि सेनादल में परस्पर सहयोग, सहकार, सद्भाव और सहायता की भावनाएं उच्च व निम्न पद का भेद नहीं करतीं। यह सच है कि बलिवेदी पर ऐसे महापुरुष का केवल शरीर ही व्यतीत होता है, जबकि अपने श्रेष्ठतम कत्त्तव्यों के माध्यम से वह सदैव के लिए अमर बलिदानी में परिवर्तित हो जाता है। दुनिया में जब तक भारत, भारतीय तंत्र, सेना तंत्र और सामाजिक-पारिवारिक इकाइयों का अस्तित्व रहेगा, तब तक शशांक का बलिदान अनुगूंजित होता रहेगा। विश्व में जब तक इतिहास वर्णित होता रहेगा और उसमें मनुष्यों की उच्चतम मान-मर्यादाओं व कार्य-कत्त्तव्यों का वर्णन होता रहेगा, तब तक स्टीफन सुब्बा के प्राणरक्षक दिवंगत शशांक तिवारी भी गर्वभाव के साथ संस्मरण में संवर्णित होते रहेंगे। साथ ही उनके दल के सैनिक, नायक पुकार कटेल का भी मान-सम्मान होता रहेगा। परोपकार में अपना सर्वस्व अर्पित करने की ऐसी ही एक घटना 6-7 अगस्त 2020 को अमरीका के कैलिफोर्निया नगर में घटी थी। वहां तीन बच्चे खेलते-खेलते नगर की किंग्स नदी में गिर गए थे। दो आठ वर्षीय लड़कियों और एक दस वर्षीय लडक़े को तेज बहाव पानी में डूबता देख भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक मंजीत सिंह ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी थी। वे तीन बच्चों को बचाने में तो सफल हो गए, परंतु स्वयं नदी की तेज धारा में बह गए।

केंद्र सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का पहुंचाया लाभ : मनीष ग्रोवर

वर्तमान में देश में एक विचारधारा का चल रहा है शासन, विश्व में देश का गौरव बढ़ा

रोहतक (हिंस)। पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश लगातार विश्व गुरू बनने की और अग्रसर है और केंद्र सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विचारधारा का शासन चल रहा है, जिससे विश्व में देश का गौरव बढ़ा है। यह बात उन्होंने गुरुवार को सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में स्थानीय जिला विकास भवन के सभागार में सात दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ

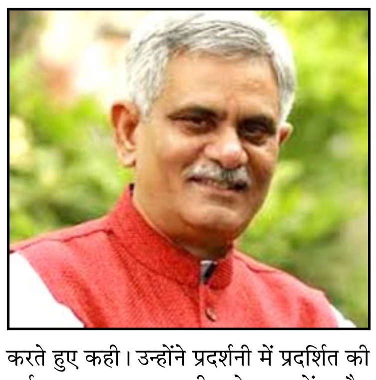

करते हुए कही। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों का अवलोकन भी किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा गत 11 वर्षों में धर्म, जाति व क्षेत्रवाद के भेदभाव के बिना देश के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास किया है। केंद्र सरकार द्वारा हर वर्ग के कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाएं व कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि गत दिनों पहलगाम में पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा की गई निर्मम हत्या के बाद देश की जनता में अपार गुस्सा था। देश में स्वदेशी हथियारों को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इन स्वदेशी हथियारों से ही पाकिस्तान को भारी नुकसान भारतीय सेना ने पहुंचाया। भारतीय सेना विशेषकर महिला अधिकारियों ने आतंकवादियों के अड्डे को ध्वस्त किया। हमें देश के सैनिकों पर गर्व है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर सिंह ढ़ाका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में हर नागरिक अपना पूर्ण योगदान देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि गत 11 वर्षों में देश में काफी बदलाव हुए है तथा आज भारत विश्व की चौथी आर्थिक महाशक्ति बनकर उभरा है। इस अवसर पर उपायुक्त धमेन्द्र सिंह, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी, ओम प्रकाश बागड़ी, संदीप कुमार व एडवोकेट संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वस्थ नागरिक ही स्वच्छ और सशक्त राष्ट्र की रख सकता है नींव: मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की ओर से गुरुवार को विद्याधर नगर स्थित स्मृति वन उद्यान में *जयपुर योग महोत्सव 2025* के तहत योग-प्राणायाम किया गया। योग महोत्सव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी शिरकत की और योगासन कर स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान राठौड़ ने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पर्यावरणीय उत्तरदायित्व निभाते हुए पौधारोपण किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने *पहले खुद स्वस्थ हो, तब शहर को भी स्वच्छ रखें* थीम पर आयोजित योग कार्यक्रम के दौरान आमजन ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। राठौड़ ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही स्वच्छ और सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकता है। योग भारतीय संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है, जो हमें संतुलित जीवन की दिशा दिखाती है। यदि हम प्रतिदिन योग करें और अपने शरीर, मन एवं परिवेश की स्वच्छता को महत्व दें, तो यह न केवल हमारे जीवन को बल्कि पूरे समाज को भी सशक्त बना सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने योग को केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि *राष्ट्र निर्माण की नींव में एक आध्यात्मिक और सामाजिक साधना* बताया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे तकनीक और व्यस्त

जीवनशैली के बीच योग को अपनाकर अपने जीवन में संतुलन और अनुशासन लाएं। कार्यक्रम में जयपुर शहर के जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि शहर का प्रत्येक नागरिक अगर स्वस्थ रहेगा तो समाज भी जागरूक और अनुशासित होगा। योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना को भी जाग्रत करने का माध्यम है। ग्रेटर जयपुर नगर निगम द्वारा आयोजित इस आयोजन में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने भी सहभागिता की और नगरवासियों से आग्रह किया कि योग से आरंभ हो दिन की शुरुआत और स्वच्छता से हो उसकी परिणति – यही जयपुर को सुंदर और सशक्त बनाएगा।

लाठीचार्ज के दोषियों पर कार्रवाई करके छात्रों की मांगों को पूरा किया जाए : नौजवान सभा

हिसार (हिंस)। भारत की जनवादी नौजवान सभा राज्य कमेटी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति में कटौती के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने व सरकार व विश्वविद्यालय प्रशासन की दमनकारी मानसिकता की कड़ी निंदा की है। इस संबंध में नौजवान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्य प्रधान मुकेश कुमार की अध्यक्षता में व साथ में जिला उपप्रधान प्रदीप बेनीवाल, डीवाईएफआई के पूर्व नेता संजय तिसावर सामान्य अस्पताल में घायल छात्रों से मिलकर हालचाल जाना। नौजवान सभा ने मांग की कि लाठीचार्ज करने वाले प्रोफेसर व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए, उन्हें यूनिवर्सिटी से बर्खास्त किया जाए व विद्यार्थियों की सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। राज्य प्रधान मुकेश कुमार व राज्य सचिव नरेश दनोदा ने बताया कि छात्र अपनी पीड़ा और अपनी जायज मांगों को लेकर खुले मंच पर बैठे थे लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन और हरियाणा सरकार ने संवाद के बजाए लाठियों का सहारा लिया।

गहलोत का भाजपा सरकार पर हमला कहा, योजनाओं को कर रहे कमजोर

उदयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को तीन दिवसीय उदयपुर संभाग दौरे पर पहुंचे। डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान गहलोत ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि मौजूदा सरकार में लोग काम करने के बजाय सिर्फ बयानबाजी में जुटे हैं। गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई चिरंजीवी योजना ने लाखों लोगों को राहत दी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे तहस-नहस कर दिया। आरजीएसएच योजना में नई-नई शर्तें जोड़कर जनता को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने अपने कार्यकाल में वसुंधरा सरकार के कामों को कभी नहीं रोका, बल्कि उन्हें आगे बढ़ाया। मगर ये लोग हर अच्छी योजना को रोक देते हैं, जिससे जनता को नुकसान हो रहा है। पूर्व सीएम ने कहा कि गुर्जर आंदोलन उनके कार्यकाल में भी हुए थे, लेकिन उन्होंने संयम और समझाइश से समाधान निकाला। *हमारे समय में कर्नल किरोड़ी बैंसला से संवाद रखा। न लाठीचार्ज किया, न गोली चली। जबकि भाजपा राज में छह बार फायरिंग हो चुकी है। टोंक में 74 गुर्जर मारे गए थे।* गहलोत ने भाजपा पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कोई भी प्रोजेक्ट जो हमारी सरकार शुरू करती है, उसे रोक देना इनकी आदत बन गई है। ईआरसीपी प्रोजेक्ट के लिए 90 प्रतिशत राशि केंद्र से देने का वादा किया गया था, पर आज तक आदेश जारी नहीं हुए। गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार की कार्यप्रणाली जाननी है तो कांग्रेस से नहीं, भाजपा के ही एमपी-एमएलए और कार्यकर्ताओं से पूछ लीजिए। उनके ही लोग सरकार की आलोचना कर रहे हैं। सीएम को चाहिए कि पारदर्शिता लाएं, जनहित के काम करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि देश में ध्रुवीकरण हो रहा है, जो लोकतंत्र और समाज हित में नहीं है। ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसे संस्थान डराने के हथियार बन चुके हैं।

विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा भारत : मंत्री जोराराम कुमावत

प्रधानमंत्री मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत आयोजित प्रेस वार्ता

जयपुर/चित्तौड़गढ़ (हिंस)। राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में सशक्त और निर्णायक कदम बढ़ा चुका है। वे गुरुवार को चित्तौड़गढ़ में *संकल्प से सिद्धि* अभियान के तहत आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। यह अभियान केंद्र सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मंत्री कुमावत ने कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को प्राथमिकता देते हुए भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई है। सरकार की हर योजना का केंद्र बिंदु आम नागरिक का जीवन आसान बनाना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है। ऑपरेशन सिंधू, ऑपरेशन गंगा, देवी शक्ति और वंदे भारत मिशन जैसे अभियानों के माध्यम से सरकार ने यह साबित किया

है कि भारतीयों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है- चाहे वे देश में हों या विदेश में। कुमावत ने बताया कि भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प भी शीघ्र पूरा होने वाला है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का विस्तार, जैसे चंद्रयान-3 की सफलता और गगनयान की तैयारी, भारत की वैज्ञानिक क्षमताओं का प्रतीक हैं। मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार में 99 प्रतिशत गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है और प्रतिदिन औसतन 34 किलोमीटर हाईवे का निर्माण हो रहा है। रेलवे को गति देने के लिए बजट को 9 गुना बढ़ाया गया है, 136 वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं और 103 अमृत भारत स्टेशन विकसित किए जा चुके हैं। हवाई यात्रा को आम नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से उड़ान योजना के तहत देश में हवाई अड्डों की संख्या 160 तक पहुंच चुकी है। कुमावत ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11 करोड़ किसानों को 3.7 लाख करोड़ रुपए की सहायता दी गई है, जबकि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 1.75 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता भारत की ताकत हैं और 2025-26 तक कृषि बजट को पांच गुना तक बढ़ाया गया है। सरकार की टैक्स नीति का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि नई कर व्यवस्था के तहत 12.75 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर मिले हैं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाया गया है, और स्वच्छ भारत अभियान ने 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण के माध्यम से माताओं-बहनों को गरिमा का जीवन दिया है। कुमावत ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह तक बढ़ाना और 3 करोड़ *लखपति दीदी* बनाने का लक्ष्य सरकार की नारी सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुद्रा योजना के तहत 35 करोड़ से अधिक महिलाओं को 14.7 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण वितरित किए गए हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में निवेश को लेकर उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित *राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025* में 4.3 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो इस क्षेत्र में समावेशी विकास को नई दिशा देंगे।

उप्र के राजनीतिक दलों के अध्यक्षों ने प्लेन क्रैश पर जताया दुख

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दलों के अध्यक्षों ने अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के प्लेन बोईंग 787-8 के क्रैश होने पर दुख जताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ में पत्रकारों से बात कर रहे थे। तभी वार्ता के दौरान अखिलेश यादव भावुक हो गए और उनका गला भर आया। अखिलेश यादव ने कहा कि बहुत दु:ख की बात है कि एयर इंडिया का एयरक्रॉफ्ट क्रैश हुआ है। हमारी अपील यही होगी सरकार से कि यात्रियों को बचाएं, उनका उचित उपचार कराया जाये। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे में, काफी लोगों की हुई मौत की घटना अत्यन्त दु:खद एवं अति पीड़ादायी है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। कुदरत उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। इसी तरह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं उप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में आज हुई विमान दुर्घटना से पूरा राष्ट्र स्तब्ध है। इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्राण गंवाए, उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोकाकुल परिवारों को यह आघात सहने की शक्ति दे एवं सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो। आपातकालीन सेवाएं और प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है, हम उनके कार्य को नमन करते हैं। निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डा.संजय निषाद ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक में डूबे परिवारों को शक्ति प्रदान करें। वहीं घायल हुए यात्रियों को बचाने एवं उचित उपचार कराये जाने की की अपील है।

केवल एफआईआर या चार्जशीट दाखिल होने से किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल एफआईआर या चार्जशीट दाखिल होने से किसी को अपराध का दोषी नहीं माना जा सकता। हालांकि सरकारी पद पर नियुक्ति का पैरामीटर अधिकारी ही तय करेंगे, कोर्ट नहीं। दोनों पक्षों में समझौते के कारण चार्जशीट निरस्त कर दी गई है। कोर्ट ने कहा जब पी ए सी पुलिस कांस्टेबल की 2015 में भर्ती निकाली गई थी तब याची के खिलाफ आपराधिक केस नहीं था। चयनित होने के बाद दो परिवारों के झगड़े में एफआईआर दर्ज हुई। चयनित याची को अयोग्य करार दिया गया। जिलाधिकारी वाराणसी ने विवेक का इस्तेमाल न कर पुलिस रिपोर्ट पर कार्रवाई की। उस भर्ती का पद खाली नहीं के आधार पर राहत से इंकार नहीं कर सकते। इसलिए पुनर्विचार किया जाय। कोर्ट ने याची को नियुक्ति के अयोग्य करार देने के डी सी पी वाराणसी के 20 जुलाई 24

के आदेश को रद्द कर दिया और पुलिस कमिश्नर व डिप्टी पुलिस कमिश्नर वाराणसी एवं अपर सचिव पुलिस भर्ती बोर्ड को याची की 2015 की भर्ती में नियुक्त करने पर 8 हफ्ते में विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि उस भर्ती में पद रिक्त न होना इसमें बाधक नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर की एकल पीठ ने विवेक यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मालूम हो कि याची पुलिस पी ए सी भर्ती 2015 में चयनित हुआ। नियुक्ति से पहले उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी थी। उसने तथ्य छिपाया नहीं। वाराणसी के चोलापुर थाने में 7 मई 16 की घटना की एफआईआर दर्ज हुई और पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। हालांकि हाईकोर्ट ने याचिका पर दोनों पक्षों को समझौते की अनुमति देते हुए मजिस्ट्रेट को सत्यापित करने का आदेश दिया। समझौते के आधार पर चार्जशीट रद्द भी कर दी गई। इससे पहले ही याची को नियुक्ति के अयोग्य करार देते हुए नियुक्ति से इंकार कर दिया गया था। जिसे चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा सरकारी नौकरी मिलने पर जलन विद्वेष के कारण झूठे केस में फंसाया भी जा सकता है। इसकी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। आरोप भी गंभीर नहीं है। अनैतिक अपराध का आरोप नहीं है। कोर्ट आंख बंद नहीं रख सकती। जिलाधिकारी पोस्ट आफिस की तरह एस पी की रिपोर्ट पर आदेश नहीं दे सकता। उसे विवेक का इस्तेमाल कर आदेश पारित करना चाहिए। चयन होने के बाद अचानक एफआईआर दर्ज होना का गहन परीक्षण करना चाहिए था। देखना चाहिए कि एफआईआर सही है या सरकारी नौकरी से बाहर करने की कवायद भर है। सावधानी से विचार करना चाहिए। जिलाधिकारी को नौकरशाह की तरह नहीं सहानुभूति पूर्वक विचार करना चाहिए। दोनों पक्षों की तरफ से एफआईआर दर्ज की गई थी। याची पर आरोप भी गंभीर नहीं था।

लोजपा-आर की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में आठ प्रस्ताव पारित

पटना (हिंस)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में गुरुवार को कुल आठ प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी और सांसद अरुण भारती ने की। प्रस्तावों में बहुजन समाज के अधिकारों, जनकल्याण योजनाओं से वंचना और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर खास तौर पर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके लिए संगठनात्मक स्तर पर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इस दिशा में सांसद अरुण भारती को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी ने बहुजन समाज के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर गहरी चिंता जताई। कार्यकारिणी ने बहुजन छात्रों की छात्रवृत्तियों में कटौती, देरी और भेदभाव पर आपत्ति दर्ज की और इसे दूर करने के लिए संघर्ष का संकल्प लिया। महादलित समुदाय के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने खुद को संघर्ष के लिए प्रतिबद्ध बताया। इसके साथ ही आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर पार्टी ने राज्य की सभी 243 सीटों पर मजबूत और निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराने का संकल्प लिया। बैठक में शाहाबाद में आयोजित *नव संकल्प महासभा* की सफलता पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही *बहुजन भीम संकल्प समागम* के आयोजन का भी प्रस्ताव पारित किया गया। जिसे जल्द ही क्रियान्वित किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया।

संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा की आधारशिला : परमानंद शर्मा

उदयपुर (हिंस)। संस्कृत भारती उदयपुर विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग का समापन समारोह बुधवार को सम्पन्न हुआ। वर्ग संयोजक नरेंद्र शर्मा ने बताया कि समारोह में वक्ताओं ने संस्कृत को जीवन व्यवहार की भाषा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह मात्र एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। समारोह के मुख्य अतिथि उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा ने अपने उद्बोधन में संस्कृत भाषा के सामाजिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा में चिंतन, शांति और संतुलन की परंपरा है, जिसे आज पुन: जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा को देववाणी कहा गया है, जो हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक और बौद्धिक परंपराओं की संवाहिका है। इसके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि यदि हम संस्कृत को पुन: जीवन्त और जनभाषा बनाना चाहते हैं तो इसके लिए प्रत्येक नागरिक को संकल्पित प्रयास करने होंगे। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, अपितु हमारे समग्र ज्ञान-संपदा की कुंजी है, जिसे संरक्षित कर हम भावी पीढ़ियों को एक समृद्ध विरासत दे सकते हैं। मुख्य वक्ता संस्कृत भारती चित्तौड़

प्रांत के प्रांत मंत्री परमानंद शर्मा ने कहा कि संस्कृत न केवल वेदों-शास्त्रों की भाषा है, बल्कि दैनिक व्यवहार में सरलता से अपनाई जा सकने वाली संवाद भाषा भी है। उन्होंने संस्कृत के अभ्यास को जीवन में नैतिकता और अनुशासन से जोड़कर प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत न केवल भारत की मूल भाषा है, बल्कि यह हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा की आधारशिला भी है। वेद, पुराण, उपनिषद, महाभारत जैसे ग्रंथों की रचना इसी भाषा में हुई है। यही कारण है कि संस्कृत के माध्यम से न केवल आध्यात्मिक, बल्कि वैज्ञानिक और दार्शनिक ज्ञान का भी विस्तार हुआ। उन्होंने कहा कि भारत सदियों से ज्ञान की पवित्र भूमि रहा है, जहां विश्व के विभिन्न कोनों से जिज्ञासु ज्ञानार्जन के लिए आया करते थे। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने *ज्ञान से पवित्र कुछ नहीं* कहा है और यह विचार संस्कृत में ही सर्वाधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। परमानंद शर्मा ने कहा कि नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्व में भारत की शिक्षा व्यवस्था को गौरवपूर्ण स्थान दिलाया था। आज पुन: विश्व भारत की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पाइथागोरस जैसे सिद्धांत जिनकी चर्चा आधुनिक गणित में होती है, हमारे ऋषियों ने उनसे बहुत पहले ही दे दिए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत भारती के महानगर अध्यक्ष संजय शांडिल्य ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा की जड़ें संस्कृत में हैं और इसे प्रोत्साहन देना राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन व सरस्वती अर्चना से हुई। स्वस्तिवाचन वेद परग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया, वहीं शिविर शिक्षक श्रेयांश कंसारा द्वारा वर्ग गीत व ध्येय मंत्र का गायन किया गया। विभाग संयोजक दुष्यंत नागदा ने सात दिवसीय वर्ग का वृत्त कथन प्रस्तुत किया। हर्षद द्विवेदी व प्रियंका ने अपने अनुभव साझा किए, जबकि जर्नेश और हार्दिक ने दुर्वाणी संस्कृत संभाषण अभ्यास का प्रदर्शन किया। सोनल भगिनी ने व्यक्तिगत गीत प्रस्तुत कर भावनात्मक वातावरण निर्मित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रेनू पालीवाल (प्रांत विद्युत परिषद प्रमुख) द्वारा किया गया। कल्याण मंत्र का वाचन दिव्यांशी भगिनी ने किया। इस अवसर पर संस्कृत पुस्तकालय एवं प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें दैनिक जीवन में संस्कृत के उपयोग व आचरण संबंधी साहित्य को दर्शाया गया।

रोजगार के मुद्दे पर कांग्रेसियों ने किया धरना प्रदर्शन, नियोजन कार्यालय में की तालाबंदी

अररिया (हिंस)। अररिया समाहरणालय परिसर स्थित धरना स्थल पर जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से जिलाध्यक्ष शाद अहमद की अध्यक्षता में गुरुवार को एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। बिहार में बेरोजगारी, युवाओं के पलायन सहित युवाओं की समस्याओं को लेकर आयोजित धरना प्रदर्शन में स्थानीय विधायक आबिदुर रहमान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। रोजगार देने में अक्षम नियोजन कार्यालय में जिलाध्यक्ष शाद अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने तालाबंदी भी की। मौके पर मौजूद कांग्रेस के वक्ताओं ने बिहार सरकार पर बेरोजगारों को नौकरी देने में पूरी तरह असफल करार दिया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकार की नीतियां युवा विरोधी है। केंद्रीय स्तर या राज्य स्तर पर नौकरी

के लिए वेकेंसी नहीं आ रही है। फलस्वरूप पढ़े लिखे हजारों लाखों बेरोजगार युवक पलायन को मजबूर हैं। वक्ताओं ने कहा कि नौकरी देने में असफल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है। चुनाव के समय युवाओं को रिझाने के लिए बहाली के लिए वेकेंसी आने का लॉलीपॉप दिया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि एक तो बिहार में समय पर परीक्षा नहीं होती और अगर होती है तो प्रश्न पत्र लीक की घटना आम घटना हो गई है।

आयात शुल्क घटाने से खाने के तेल के गिरे भाव

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खाने के तेलों के सीमा शुल्क में 50 फीसदी की कटौती का ऐलान किया है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से 10 फीसदी कम कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 फीसदी से 19.25 फीसदी हो गया है।

सरकार ने कंपनियों को अपने ग्राहकों को भी इस लाभ का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव ने प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की,

कंपनियों को एमआरपी कम करने के मिले निर्देश

जिसमें शुल्क कटौती के फायदे को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा।खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था।

अदाणी ग्रुप ने बनाई 20 अरब डॉलर का सालाना निवेश की योजना

मुंबई। देश के एक अग्रणी कारोबारी अदाणी समूह ने आंतरिक संसाधनों और कर्ज के माध्यम से 20 अरब डॉलर की वार्षिक पूंजीगत व्यय का इंतजाम करने का ऐलान किया है। समूह के शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी और बताया कि यह व्यय मुख्य रूप से बिजली पारेषण और वितरण क्षेत्र में निवेश के लिए उपयोग होगा। अदाणी समूह के पूंजीगत व्यय की योजना के मुताबिक, समूह की करीब 8.5 अरब डॉलर की मुक्त नकद प्रवाह से तकरीबन 3 अरब डॉलर कर्ज का पुनर्वित्त और 3 से 4 अरब डॉलर नई उधारी से जुटाई जाएगी। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026 तक 1.6 से 1.8 अरब डॉलर का वित्त विकास कार्यों के मुनाफे से आने की उम्मीद है। अदाणी समूह के सीएफओ ने बताया कि समूह का 55 से 58 फीसदी पूंजीगत निवेश पारेषण और बिजली क्षेत्र में किया जाएगा, जबकि 20 से 30 फीसदी निवेश परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में किया जाएगा। समूह की यह रणनीति उद्यमिता और विकास में नई ऊंचाइयाँ छूने का उत्साह दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

रेमंड अपना रियल एस्टेट कारोबार करेगा सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रेमंड लिमिटेड अपने रियल एस्टेट कारोबार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने पर विचार कर रहा है। कंपनी ने विकास अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस कारोबार को अलग किया है। रेमंड लिमिटेड ने सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद रियल एस्टेट कारोबार को सफलतापूर्वक अलग कर दिया है और अब वह इंजीनियरिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी। रेमंड लिमिटेड ग्रुप के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने विश्लेषकों से कहा कि हमने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय को सफलतापूर्वक अलग कर लिया है और सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर लिए हैं। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में हम रियल एस्टेट व्यवसाय को सूचीबद्ध कर देंगे। मुंबई स्थित रेमंड लिमिटेड देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट को मिला सेबी से लाइसेंस

मुंबई । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक की साझेदारी से बनी कंपनी जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को भारतीय बाजार में निवेश सलाहकार सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और बीएसई लिमिटेड ने कंपनी को भारत में रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर (आआईए) के रूप में काम करने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 26 मई को जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्युचुअल फंड मैनेजर के तौर पर मिली मंजूरी के बाद आई है। अब कंपनी भारत में निवेशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक डिजिटल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म शुरू करेगी। इस प्लेटफॉर्म पर निवेश सलाह को सरल, पारदर्शी और विशेषज्ञता से भरपूर बनाया जाएगा। जियोब्लैकरॉक ने बताया कि वह लॉन्च के करीब अपनी इनोवेटिव सेवाओं से जुड़ी जानकारी साझा करेगा। ब्लैकरॉक के एक अधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते निवेश बाज़ारों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जियोब्लैकरॉक को हमारी ग्लोबल विशेषज्ञता और टेक्नोलॉजी का फायदा मिलेगा, वहीं जियो की डिजिटल पहुंच और लोकल समझ इस साझेदारी को और मज़बूत बनाएगी। हमारा लक्ष्य भारत के करोड़ों निवेशकों को बेहतर भविष्य देने की दिशा में काम करना है। भारत में एडवाइजरी बिजनेस की शुरुआत करेगा ज्वॉइंट वेंचर है।

यूनियन, केनराऔर इंडियन ओवरसीज बैंक ने घटाई ब्याज दरें

मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। बैंकों ने अपने ऋणों पर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कमी की घोषणा की इन निर्णयों में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय है रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती करने का। इस फैसले के बाद, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक जैसी तीन प्रमुख सरकारी बैंकों ने अपने ऋणों पर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कमी की घोषणा की है। इसके साथ ही, यह बैंकों के डीडब्ल्यू को 8.25 प्रतिशत कर देगा रेपो आधारित ब्याज दरों में भी कमी करने के लिए कहा जा रहा है, इससे लोन की सुविधा सस्ती होगी। इस कदम से होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन और एमएसएमई लोन सस्ते होने की संभावना है, जिससे आम उपभोक्ताओं को बड़ी सहायता मिलेगी। इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देगा, और लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम होगा। इन निर्णयों से लोगों के लिए आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीदें भी बढ़ी हैं।

व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ के बीच गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण : गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इन मुद्दों का हल निकालने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को अंतिम रूप देने के काफी करीब हैं। भारत और यूरोपीय संघ दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए कारोबार को सुचारू बनाने के समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है, ' 'भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करने और अग्रणी स्वीडिश और भारतीय व्यवसायों के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता हुई। दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में जारी प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर संयुक्त पत्र, मजबूत आर्थिक संबंधों और समावेशी विकास के भविष्य को बनाने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।' 'उन्होंने कहा कि भारत-स्वीडन साझेदारी इस बात का एक मॉडल है कि कैसे दो विविध अर्थव्यवस्थाएं साझा दृष्टिकोण और सहयोग के जरिए पारस्परिक लाभ पैदा कर सकती हैं।

इन विचार-विमर्शों को ठोस अवसरों में बदलने की उम्मीद है। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वीडन की कंपनी टेट्रापैक के एमडी मैरी सैंडिन के साथ बैठक की। इस दौरान टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके साथ ही, भारत में अनुसंधान एवं विकास पहलों के विस्तार और उन्नत उपकरण निर्माण में क्षमताओं को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा स्वीडन-भारत व्यापार परिषद और भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित रात्रिभोज में स्वीडिश व्यापार जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत में निवेश के महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच आठ साल से अधिक समय के अंतराल के बाद जून 2022 में फिर से वार्ता शुरू हुई। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में यह वार्ता रुक गई थी। गोयल, स्वीडन की अपनी आधिकारिक दौरे पर यहां पहुंचे है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा विकास ला सकता है बड़ा बदलावः डेटाब्रिक्स

सैन फ्रांसिस्को । देश के डेटा एवं एआई क्षेत्र में अग्रणी कंपनी डेटाब्रिक्स के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि भारत ऐसे समय में उन्नति कर रहा है, जब दुनिया भर में मंदी की समस्या है। उन्होंने बताया कि भारत अब अन्य देशों से अग्रणी है जब बात डिजिटल बुनियादी ढांचे की हो। अधिकारी ने कहा कि भारत ने पिछले दशक में एक व्यापक डिजिटल ढांचा किया है जिससे देश में भ्रष्टाचार और उद्योग क्षेत्र में केवल मंदगति से निकल सकता है। उन्होंने यह भी उजागर किया कि डेटाब्रिक्स नई कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है और भारत को एशियाई बाजारों में भारी निवेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने उम्मीद की कि भारत के डिजिटल ढांचे से नवाचारिक उपयोग करना और विकास करना आसान होगा। उन्होंने इसके साथ ही उत्साहित होते हुए देखा कि अप्रवासियों और कंपनियों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में देशी-विदेशी शराब की बिक्री पर बढ़ाया टैक्स

मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने आय बढ़ाने के लिए राज्य में देशी और विदेशी शराब की बिक्री पर टैक्स बढ़ाने का फैसला किया है। इससे राज्य में में देशी, विदेशी शराब की कीमतों में और इजाफा होगा।

टैक्स बढ़ाने की अनुमति से करीब 14,000 करोड़ रुपये की ज्यादा आय होगी। टैक्स चोरी रोकने और निगरानी प्रणाली मजबूत करने के लिए सरकार ने एक समिति का गठन किया था। महाराष्ट्र सरकार के फैसले के बाद बियर और वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली।

महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने और बियर और वाइन को इस टैक्स से बाहर रखने के फैसले के बाद सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड, जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में तेजी देखने को मिली।

बीएसई में जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में कारोबारी सत्र के दौरान 20 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल। बीएसई में जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयर 10.8 फीसदी, सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड के शेयर 8 फीसदी, एसओएम डिस्टीलिरीस एंड ब्रुअरीज के शेयर 2.6 फीसदीऔर बीसीएल इंडस्ट्रीज के शेयरों में 13 फीसदी की तेजी देखने को मिली।

बियर, वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयर उछले

हालांकि यूनाइटेड स्पिरिट्स 6.6 फीसदी, तिलकनगर इंडस्ट्रीज 4.7 फीसदी और एलाइड ब्लेंडर्स के शेयरों में 4.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के राजस्व वृद्धि के उपायों को मंत्रिमंडल बैठक में मंजूरी दी गई। प्रस्ताव के अनुसार, शराब पर टैक्स बढ़ाने और एमआरपी फार्मूले में बदलाव कर अब 180 मिलीलीटर के देशी शराब का क्वार्टर 80 रुपये, महाराष्ट्र निर्मित शराब (एमएमएल) का क्वार्टर 148 रुपये, भारत में निर्मित विदेशी शराब का क्वार्टर 205 रुपये तथा विदेशी शराब के प्रीमियम ब्रांड के क्वार्टर की कीमत 360 रुपये हो जाएगी।भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के 260 रुपये प्रति बल्क लीटर तक के उत्पादन मूल्य वाली घोषित शराब पर उत्पादन शुल्क की दर उत्पादन मूल्य से 3 गुना से बढ़ाकर 4.5 गुना कर दी है।

देश की दिग्गज आईटी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे उत्साहनजक नहीं

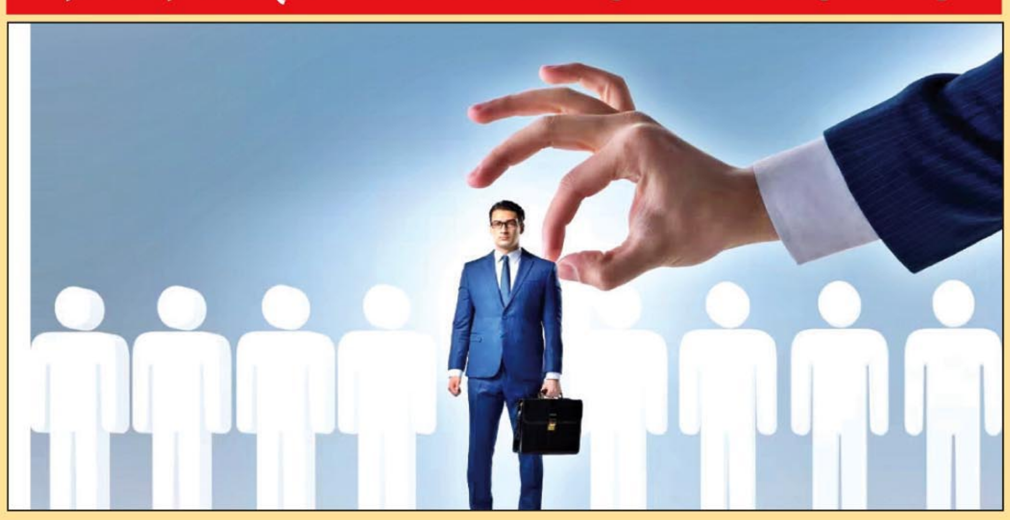

देश की दिग्गज आईटी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे बहुत उत्साहनजक नहीं रहे। बड़ी कंपनियों के राजस्व में गिरावट दर्ज की। ऐसा कोरोना महामारी के बाद पहली बार देखने को मिला। इस गिरावट के पीछे प्रोजेक्ट्स में देरी, चुनिंदा सेक्टर्स में कमजोर प्रदर्शन और टैरिफ वार के चलते डिमांड में कमी जैसी वजहें रही। अच्छे मुनाफे के लिए टीसीएस, कोफोर्ज समेत कई स्टॉक्स पर ब्रोकरेज की बीयूवाय रेटिंग ब्रोकरेज फर्म च्वाइस इक्विटी ब्रोकिंग ने आईटी सेक्टर्स पर अपनी रिजल्ट रिव्यू रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 25 की सुस्त चाल के बाद आईटी कंपनियों को 26 में भी सीमित ग्रोथ की उम्मीद है।

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह में 200 से अधिक कार विनिर्माता भागीदारी करेंगे

आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में होगा आयोजन

नई दिल्ली

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माता और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के भागीदारी करने की संभावना हैं। बयान के अनुसार, उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आईईएसडब्ल्यू के 11वें संस्करण की मेजबानी करेगा। आईईएसडब्ल्यू 2025 में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं के आने का अनुमान है, जिससे भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के दृष्टिकोण को बल मिलेगा। भारत खुद को दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (ई-3डब्ल्यू) बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आयोजित होने वाले आईईएसडब्ल्यू 2025 कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, फिनलैंड, कनाडा, अमेरिका, इज़राइल और दक्षिण कोरिया के 150 से अधिक प्रमुख साझेदारों, प्रदर्शकों और 1,000 से अधिक कंपनियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में उम्मीद से बेहतर खुदरा महंगाई के आंकड़ों के कारण बाजार में आई तेजी के बाद पिछले सत्र के दौरान ऊपरी स्तर से मुनाफा वसूली होती नजर आई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,022.×0 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 99.11 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,615.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 110.59 अंक यानी 0.26 प्रतिशत टूट कर 42,755.18 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.1× प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,864.×5 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.×7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,775.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2×,948.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,22×.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ ×,925.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.89 प्रतिशत उछल कर 2,9××.05 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ ×,405.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 205.05 अंक यानी 0.5× प्रतिशत की कमजोरी के साथ ×8,216.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 141.40 अंक यानी 0.6× प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,×28.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 109.98 अंक यानी 0.45 प्रतिशत फिसल कर 24,256.96 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 1,1×6.51 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 7,221.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

महिला टेनिस खिलाड़ियों को प्रजनन प्रक्रिया के दौरान मिलेगा संरक्षित रैंकिंग का लाभ : डब्ल्यूटीए

नई दिल्ली

महिला टेनिस की शासी संस्था डब्ल्यूटीए (डब्ल्यूटीए) ने बुधवार को घोषणा की कि जो महिला खिलाड़ी प्रजनन संरक्षण प्रक्रिया (फर्टिलिटी प्रोटेक्शन प्रोसीजर) से गुजरना चाहती हैं, उन्हें खेल से समय लेने की अनुमति दी जाएगी और वे वापसी पर संरक्षित रैंकिंग के साथ प्रतिस्पर्धा में लौट सकेंगी। डब्ल्यूटीए के इस नए नियम का उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को पारिवारिक लक्ष्यों और पेशेवर करियर के बीच संतुलन बनाने में सहायता करना है। यह कदम डब्ल्यूटीए द्वारा तीन महीने पहले घोषित उस नीति के बाद आया है, जिसमें खिलाड़ियों को 12 महीने तक का सशुल्क मातृत्व अवकाश देने की बात कही गई थी। डब्ल्यूटीए ने एक बयान में कहा, नए नियम के तहत खिलाड़ी अब अंडाणु या भ्रूण को सुरक्षित रखने जैसी प्रजनन संरक्षण प्रक्रिया के लिए पेशेवर टेनिस से समय ले सकती हैं और संरक्षित रैंकिंग के साथ सुरक्षित रूप से प्रतियोगिता में लौट सकती हैं। इस निर्णय को महिला खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे वे अपने व्यक्तिगत जीवन और खेल करियर दोनों को बेहतर ढंग से संभाल सकेंगी।

पोंटिंग ने वेबस्टर की बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा की

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने नये बल्लेबाज ब्यू वेबस्टर की अर्धशतकीय पारी की जमकर प्रशंसा की है। वेबस्टर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की पहली पारी में दबाव के बीच भी 72 रन बनाये। उनकी पारी की सहायता से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 212 रनों तक पहुंच पायी। वेबस्टर ने इस साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में डेब्यू किया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 92 गेंदों पर 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में यह किसी भी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर रहा। पोंटिंग ने कहा, आप इस युवा के बनाये रनों को हटा दें, तो स्कोरकार्ड काफी कम दिखेगा। मुझे लगता है कि यह इस बारे में बहुत कुछ बताता है कि वह अभी अपने खेल में कितना सहज है और यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई मध्य क्रम में होने पर भी वह कितना सहज है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टेस्ट टीम में वापसी पर करुण नायर ने कहा-बहुत खास है ये मौका

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज़ करुण नायर की टीम इंडिया में टेस्ट क्रिकेट में वापसी हुई है। नायर ने आखिरी बार भारत के लिए मार्च 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। 2016 में चेन्नई टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तिहरा शतक लगाने वाले नायर का फॉर्म बाद में गिर गया और उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। अब नायर को एक बार फिर मौका मिला है और उन्होंने बीसीसीआई के एक्स हैंडल पर जारी एक वीडियो में अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, बहुत खास महसूस हो रहा है। इस मौके को फिर से पाने के लिए मैं आभारी और सौभाग्यशाली हूं। अब इसे दोनों हाथों से लपकने की कोशिश करूंगा। इस समय जो भावनाएं हैं, उन्हें शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। यह बहुत खास एहसास है। टीम के सीनियर खिलाड़ी केएल राहुल ने भी करुण की वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मैं नायर को बहुत समय से जानता हूं। मैंने उसे यूके में काउंटी क्रिकेट खेलते हुए देखा है, जहां उसने कड़ी मेहनत की और अकेले संघर्ष किया। उसका टीम में लौटना न केवल उसके लिए, बल्कि उसके परिवार और हम दोस्तों के लिए भी बेहद खास है। उसका अनुभव और सीखना निश्चित रूप से टेस्ट मैचों में टीम के काम आएगा।

लेवांडोव्स्की के विरोध के बाद पोलैंड कोच मिशाल प्रोबिएर्ज़ ने दिया इस्तीफा

वारसॉ। पोलैंड की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मिशाल प्रोबिएर्ज़ ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला तब आया जब टीम के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने यह साफ कर दिया कि वह अब उनके नेतृत्व में टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की, जो वर्तमान में बार्सिलोना क्लब से जुड़े हैं, ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि कप्तानी छीने जाने की सूचना उन्हें एक संक्षिप्त फोन कॉल के जरिए दी गई थी, जब वह अपने बच्चों को सुला रहे थे। इसके बाद जल्द ही यह खबर पोलैंड फुटबॉल संघ की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। प्रोबिएर्ज़ ने लेवांडोव्स्की को हटाकर मिडफील्डर पियोटर जिलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था। इस्तीफा देते हुए प्रोबिएर्ज ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि मौजूदा हालात को देखते हुए राष्ट्रीय टीम के हित में मेरा इस्तीफा देना ही सबसे बेहतर फैसला होगा। इस पद पर काम करना मेरे करियर का सबसे बड़ा सपना और सम्मान था। मिशाल प्रोबिएर्ज़ की कोच के रूप में आखिरी मैच फिनलैंड के खिलाफ था, जिसमें पोलैंड को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के लिए इंटर मियामी की टीम घोषित, मेसी संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। इंटर मियामी ने बुधवार को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी इस टीम की अगुवाई करेंगे। उनके साथ उनके पुराने साथियों लुइस सुआरेज़ और सर्जियो बस्केट्स को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 इस बार बदले हुए फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट अमेरिका में 14 जून से 13 जुलाई के बीच खेला जाएगा। अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप से पहले यह टूर्नामेंट एक तरह से अभ्यास और माहौल परखने का अवसर भी होगा। इंटर मियामी की पूरी टीम गोलकीपर : ड्रेक कैलेंडर, रोको रियोस नोवो, ऑस्कर उस्तारी, विलियम यारब्रू। डिफेंडर : जोरदी आल्बा, नोआ एलन, टॉमस अविलेस, इस्राएल बोटराइट, मैक्सीमिलियानो फाल्कोन, इयान फ्रे, गोंजालो लुहान, टायलर हॉल, डेविड मार्टिनेज, रयान सेलर, मार्सेलो वेगांट। मिडफील्डर : यैनिक ब्राइट, सर्जियो बस्केट्स, बेनजामिन क्रेमास्की, सैंटियागो मोरालेस, फेडरिको रेडोंडो, बाल्तासार रोड्रिगेज, डेविड रूइज़, टेलास्को सेगोविया। फॉरवर्ड : लियो अफोंसो, तादेओ एलेंदे, लियोनेल मेसी, एलेन ओबांडो, फाफा पिकॉल्ट, लुइस सुआरेज़।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : पहले दिन गेंदबाजों का रहा बोलबाला, 14 विकेट गिरे

लंदन

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन का खेल गेंदबाजों के नाम रहा। लंदन के ओवल मैदान पर खेले जा रहे इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में कुल 14 विकेट गिरे, जिससे मुकाबले का रोमांच और भी बढ़ गया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम 212 रन पर सिमट गई, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने स्टंप्स तक 4 विकेट पर 43 रन बनाए हैं। अफ्रीकी टीम अब भी 169 रन पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया की लड़खड़ाती शुरुआत, स्मिथ-वेबस्टर ने संभाली पारी - टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजी का फैसला किया और कगिसो रबाडा व मार्को यानसेन की अगुवाई में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को झकझोर कर रख दिया। ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी जैसे प्रमुख बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। उस्मान ख्वाजा तो खाता भी नहीं खोल सके। हालांकि स्टीव स्मिथ (66 रन) और ब्यू वेबस्टर (72 रन) ने संघर्ष करते हुए टीम को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। विकेट कीपर एलेक्स कैरी ने भी 23 रन का योगदा दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 212 रन के योग पर समाप्त हुई।

ऑस्ट्रेलिया 212 पर ढेर, दक्षिण अफ्रीका भी संघर्ष में

ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम 5 विकेट मात्र 20 रन के भीतर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए रबाडा ने 5 विकेट, जबकि जानसेन ने 3 विकेट हासिल किया। केशव महाराज और एडन मारक्रम को एक-एक सफलता मिली।

दक्षिण अफ्रीका की भी बैटिंग में हालत खराब - हालांकि शानदार गेंदबाजी के बाद जब दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी शुरू की, तो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने उनकी जमकर परीक्षा ली। एडन मार्करम पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद रायन रिकल्टन (16), वियान मुल्डर (6) और ट्रिस्टन स्टब्स (2) भी जल्दी आउट हो गए। स्टंप्स के समय तक कप्तान टेंबा बावुमा 3 रन (37 गेंद) और डेविड बेडिंगहम 8 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने 2 विकेट, जबकि जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया।

गेंदबाजों के दबदबे वाला पहला दिन - पहले दिन के खेल को देखें तो यह साफ है कि दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेज और स्विंग गेंदों से जूझना पड़ा है। ओवल की पिच गेंदबाजों की मददगार साबित हो रही है और दोनों टीमों को मजबूत स्कोर तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

शुचि उपाध्याय की जगह राधा यादव इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे से पहले एक बड़ा झटका लगा है। टीम की खिलाड़ी शुचि उपाध्याय को चोट के कारण दौरे से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह अब राधा यादव को टीम इंडिया के टी20 और वनडे स्क्वॉड में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसआई) ने गुरुवार को बताया कि शुचि को यह चोट बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में आयोजित प्री-टूर कैंप के दौरान लगी थी।

जांच में पाया गया कि उनकी बाईं टिबिया (निचले पैर की एक हड्डी है, जिसे पिंडली की हड्डी के रूप में भी जाना जाता है) में चोट है, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी। अनुभवी स्पिन गेंदबाज़ राधा यादव अब इंग्लैंड दौरे पर भारत की दोनों सीमित ओवरों की टीमों का हिस्सा होंगी।

भारत की अपडेटेड टी20 टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गाऊद, सायली सतघरे, राधा यादव।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसाबनीस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गाऊद, सायली सतघरे, राधा यादव।

पूरन के बाद कुछ और खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास : सैमी

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि निकोलस पूरन के बाद कई अन्य क्रिकेटटर भी संन्यास ले सकते हैं। पूरन ने 29 साल की उम्र में ही लीग क्रिकेट खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद उन्हें अमेरिकी क्रिकेट लीग में एक फ्रैंचाइजी ने कप्तान भी बना लिया। सैमी के अनुसार ये यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए एक बड़ी चुनौती को बता रही है। पिछले कुछ सप्ताह में कई स्टार खिलाड़ियों ने खेल को अलविदा कहा है। सैमी का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज पूरन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना खिलाड़ियों को अपनी राष्ट्रीय टीमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित रखने में रही रही चुनौती को साबित करता है। साथ ही कहा कि आने वाले समय में हमें और भी खिलाड़ियों के संन्यास की खबरें मिलेंगी। पूरन ने टी20 विश्व कप से ठीक आठ महीने पहले ही संन्यास की घोषणा की है जबकि उनकी टीम में जगह पक्की थी। वह न केवल वेस्टइंडीज के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे सफल बल्लेबाज है बल्कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहद लोकप्रिय खिलाड़ी भी है। इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों के प्रारूप में लगातार छठी हार के बाद 'सैमी ने कहा कि बेहतर खिलाड़ियों के संन्यास लेने से राष्ट्रीय टीम को नुकसान हो रहा है।

फीफा विश्व कप क्वालिफायर : रोमानिया ने साइप्रस को 2-0 से हराया

बुखारेस्ट

नेशनल एरीना में मंगलवार रात खेले गए 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर के ग्रुप-एच मुकाबले में रोमानिया ने साइप्रस को 2-0 से हराकर अहम जीत दर्ज की। इस जीत से रोमानिया ने ग्रुप में शीर्ष स्थान की होड़ में खुद को बनाए रखा है। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में फ्लोरिन तानासे और डेनिस मैन के गोलों ने मेज़बान टीम को बढ़त दिलाई। 43वें मिनट में मैन की शुरुआत से हुए तेज काउंटर-अटैक में तानासे ने पहला गोल किया। इसके कुछ ही मिनट बाद, मैन ने डेनिस द्रागुश के साथ शानदार एक-दो खेलते हुए हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दागा।

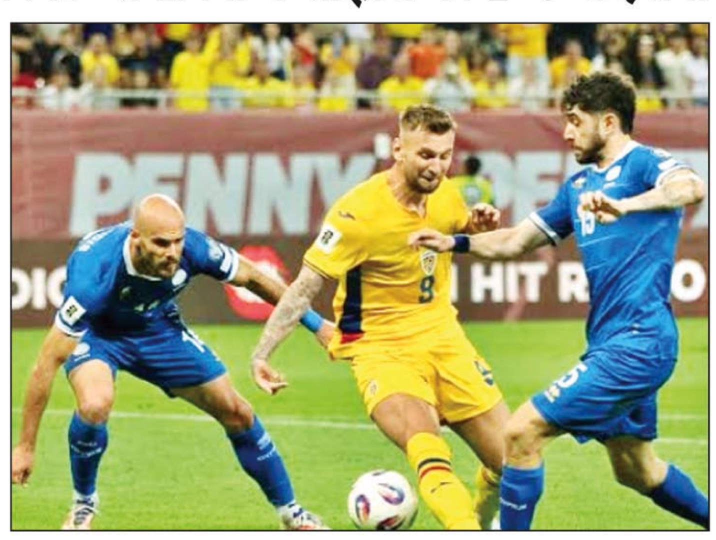

मैच की शुरुआत से ही रोमानिया ने आक्रामक रवैया अपनाया और कई मौके बनाए। मिहाई पोपेस्कु की क्लोज रेंज से कोशिश और मैन की लंबी दूरी की शॉट को साइप्रस के गोलकीपर जोएल मॉल ने शानदार बचाव कर रोका।

पहले हाफ में दो बार वीएआर की मदद ली गई, दोनों बार संभावित रेड कार्ड की स्थिति बनी, लेकिन लिथुआनियाई रेफरी डोनाटस रुम्सास ने वीडियो देखकर अपने मूल फैसलों को बरकरार रखा।

हालांकि रोमानिया की रक्षा में कुछ खामियां नजर आईं, लेकिन गोलकीपर स्टीफान मोल्दोवान ने कुछ अहम बचाव कर क्लीन शीट बनाए रखने में सफलता पाई।

दूसरे हाफ में रोमानिया ने खेल पर नियंत्रण रखा, मगर वह अपनी बढ़त को और नहीं बढ़ा सका। इसके बावजूद टीम ने क्वालिफाइंग अभियान में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं। इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है। इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं। बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं। तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।

सूर्यकुमार एक स्थान नीचे आकर छठे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण 706 और बिश्नोई 674 के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 653 भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ सूची में नंबर एक पर हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। राशिद के 710 अंक हैं वहीं नंबर एक पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 723 अंक हैं। राशिद के टीम के साथी ब्राइडन कार्स 16 स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के लाभ से 16वें स्थान पर हैं। वहीं सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक संयुक्त 38वें स्थान पर ।

विराट की कमी खलेगी : ओली पोप

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के उपकप्तान ओली पोप के अनुसार शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय युवा टीम काफी प्रतिभाशाली है पर इस सीरीज में विराट कोहली की कमी सभी को खलेगी। ओली के अनुसार विराट के नहीं होने से खेल का आकर्षण घटेगा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। पोप ने कहा, 'यह एक युवा टीम है पर इन खिलाड़ियों में बहुत गहराई और प्रतिभा है। इसलिए उनके पास बहुत से युवा खिलाड़ी हैं। बहुत से अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके नए कप्तान शुभमन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं हालांकि उन्हें स्लिप में खड़े होकर हंसी मजाक करने वाले विराट की कमी महसूस होगी।' साथ ही कहा, 'उनके पास कुछ अच्छी प्रतिभाएं हैं इसलिए वे आत्मविश्वास से भरे होंगे पर हमारे खिलाड़ी भी मुकाबले के लिए तैयार हैं।' भारतीय टीम ने साल 2007 के बाद से ही इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। साल 2011, 2014 और 2018 में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि 2021-22 की सीरीज बराबरी पर रही थी। पोप ने कहा कि 20 जून से होने वाली इस सीरीज से उनकी टीम को इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज की तैयारी के लिए अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए भारत के साथ खेलने का यह एक सही समय है, इससे टीम लय हासिल कर ये देख सकेगी कि वह कहां है।

साफ घर स्वस्थ घर

घर की उचित साफ-सफाई न होना भी तनाव का कारण बन सकता है। यह जानकर शायद आपको हैरत होगी कि कुछ लोगों में खासतौर पर महिलाओं में अपने घर और परिवार के सदस्यों द्वारा साफ-सफाई के संबंध में की जाने वाली लापरवाही तनाव और उच्चरक्तचाप का कारण भी बन जाती है।

हालांकि यह बात स्वभावगत है पर स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखें तो पर्सनल हाइजिन के साथ-साथ घर और अपने आस-पास की सफाई बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि अच्छा रहन-सहन बनाए रखने के लिए भी जरूरी है।

घर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप यह जानें कि आपके घर में कौन-कौन सी ऐसी जगह हैं, जिनका कीटाणुओं और छोटे-छोटे जीवों को निमंत्रण करने में प्रमुख योगदान है। किचन में बनी नाली और वॉशबेसिन के आसपास पानी एकत्रित होना और सफाई न रहना, कुकिंग गैस, सिंक, रसोई में साफ-सफाई के लिए इस्तेमाल में आने वाले कपड़ों को नियमित साफ नहीं करना कीटाणुओं को बुलावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साथ ही फर्श के अलावा घर का फर्नीचर, कारपेट, फूलदान, पंखे, ट्यूबलाइट आदि चीजों की नियमित साफ-सफाई बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि यहां पानी एकत्रित न हो साथ ही गंदगी न फैले। इसके उचित उपायों को अपनाते हुए घर को स्वच्छ और कीट, मच्छर से रहित रखने का प्रयास करें। यदि समय और ऊर्जा की बचत करना चाहते हैं तो एक अच्छे क्लीनर की मदद लें। यदि आपके नियमित इस्तेमाल की वस्तुएं धूल और मिट्टी से मुक्त हैं तो आपका घर कीट और गंदगी में पनपने वाले जीवों से भी मुक्त होगा। जाहिर है कि आप इसके साथ आने वाली कई बीमारियों को अपने घर में प्रवेश करने से रोक पाएंगे। साफ-सुथरी जगह मानसिक शांति देती है और अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं।

दिमाग को सक्रिय करता मोबाइल

अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुख्ता करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दाईं तरफ टेम्पोनरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटैक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोपरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। मनोचिकित्सक का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता।

पूजन से पहले क्यों बजाते हैं घंटी?

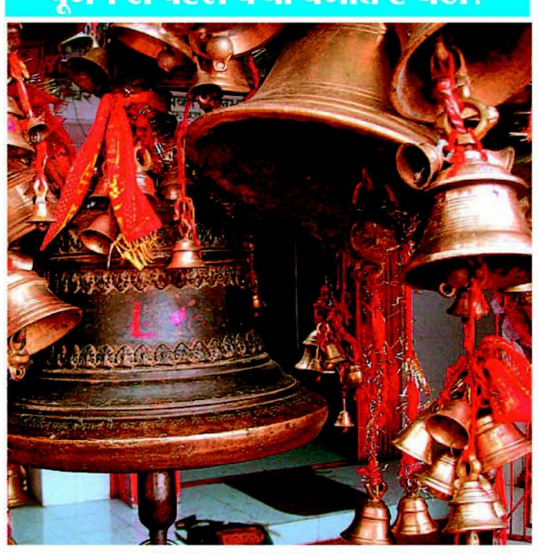

क्या आप जानते हैं कि मंदिरों में घंटियां क्यों होती हैं? यह परंपरा बहुत प्राचीन है। इसके पीछे मात्र परंपराएं ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक रहस्य भी हैं। जापान के बौद्ध मंदिरों में भी विशेष प्रकार की घंटियां होती हैं। श्रद्धालु इन्हें बजाकर अपने इष्ट देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इनसे बहुत मधुर ध्वनि निकलती है। मंदिर की घंटी बजाने से विशेष प्रकार की ध्वनि तरंगें उत्पन्न होती हैं। जब वातावरण में इनका प्रसार होता है तो ये नकारात्मकता को दूर करती हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। इससे मंदिर के आसपास का माहौल शांत और सुखद बनता है। लोगों को एक खास किस्म की आध्यात्मिक शांति मिलती है। अध्यात्म में माना जाता है कि नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मन के अलावा वातावरण को भी प्रभावित करती है। जिस देश या घर में अशांति का माहौल होता है, वहां नकारात्मकता तेजी से पनपती है। घंटी का एक फायदा यह होता है कि इससे किसी अजनबी को भी यह ज्ञात हो जाता है यहां देवमंदिर है। इससे उसका शीश भगवान के सम्मान में झुक जाता है। शास्त्रों के अनुसार, घंटी बजाना दैवीय शक्ति को नमन करना है।

दूसरों की गलती पर उन्हें माफी देना भले ही आसान हो लेकिन बात जब खुद को माफ करने की आती है तो शायद यह हमारे लिए आसान नहीं होता, क्योंकि इस बार गलती हमने की और इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। अपराध बोध की भावना थोड़े समय के लिए ठीक है, इसे हावी न होने दें, नहीं तो परेशानी बढ़ेगी। इंसान से गलतियां हो सकती हैं, इससे सीख लीजिए, खुद को माफ कीजिए, खुशी बनी रहेगी।

खुद को माफ करें...

श्रीमद भागवत में एक कहानी है राजा अजामिल की। उस राजा में अनेकों दुर्गुण थे। जब वह अपनी मृत्यु शैया पर पहुंचा तो उसने अपने पुत्र को बुलवाया जिसका नाम नारायण था और जब राजा ने ईश्वर के नाम का उच्चारण किया तो उसे मुक्ति प्राप्त हुई। यह कहानी लोगों में विश्वास जगाती है कि उनका अतीत कैसा भी क्यों न हो,पछतावा करने या अपराधी महसूस कर समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं। यदि तुम अंतिम क्षण में भी ईश्वर की ओर मुड़ते हो, तो तुम्हारे मुक्त होने की संभावना है। यह कहानी सिखाती है कि अतीत में की गई भूलों के प्रति अपराधबोध से ग्रसित नहीं होना है। जब हम मासूम होते हैं और वर्तमान क्षण में टिके रहते हैं तब अपनी भूल का अहसास हो जाता है। ऐसे में हम पहले से ही उस भूल से बाहर निकल जाते है। अतीत के बारे में सोचते रहने के बजाय बस जाग जाओ और उसे स्वीकार करो।आगे बढ़ जाओ और दूसरों पर या स्वयं पर दोषारोपण में मत फंसों।

सामाजिक भावना

हमारा अपराधबोध एक तरह से वह सामाजिक भावना भी है, जिसमें हम सबके साथ जुड़े रहना चाहते हैं। संबंधों को बचाए रखना चाहते हैं। पर परेशानी यह है कि हम अपने घावों को भरने की जगह उन्हें कुरेदते रहते हैं। जिंदगी में हार, इनकार, उपेक्षा, निराशा और शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है, पर जब ऐसा कई बार होता है तो हम खुद को ही समस्या मानने लगते हैं। खुद को सजा देने के सिलसिले में ऐसे कदम उठाते हैं, जिनका असल समस्या से ताल्लुक ही नहीं होता। जैसे, वजन कम नहीं हो रहा या मानते हैं कि सुंदर नहीं हैं, तो गुस्से में अपना ध्यान रखना ही छोड़ देते हैं, सबसे अलग थलग रहते हैं। अधिक खर्च करने की आदत पर गुस्साते हैं, पर अपने भविष्य के प्रति लापरवाह भी हो जाते हैं। हर समय दूसरों की प्रशंसा और भलाई बटोरने का भाव एक ऐसा जहर है, जो मन में अपनी कमियों का बोझ बढ़ाता जाता है। क्या उस तरफ बढ़ना ठीक है, जो खुद के लिए हीनता और शर्मिंदगी को बढ़ाता है? खुश रहना है तो खुद को गलत मानते रहने के चक्र को तोड़ना जरूरी है। खुद को साथ-साथ माफ करना भी सीखें।

अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार सुधार करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करें।

माफी का महत्व

आपने अपने जीवन में कई लोगों को माफ किया होगा, माफ करने के बाद आपके अंदर अलग तरह का अनुभव आया होगा। इसका मतलब यह है कि माफी से व्यक्ति को ऊर्जा तो मिलती है साथ ही मद में किसी प्रकार की कुंठा नहीं रहती। तो माफी के महत्व को जरूर समझें।

चुनौती की तरह न लें

आपने गलतियां की हैं तो खुद को माफ भी करें, खुद को सजा देने के बारे में हर वक्त न सोचें। गलतियां इनसानों से होती हैं और ऐसे में खुद को माफ करना उस गलती से निकलना और उसे न दोहराने की कवायद है। अगर आप खुद को माफ नहीं करेंगे तो इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ेगा।

भावनाओं को भी स्वीकारें

सभी के अंदर भावनाएं होती हैं और वे समय और परिस्थिति के अनुसार दिखाई भी देती हैं, आप भी इससे अछूते नहीं हैं। तो अपने क्रोध, भय, प्रेम, सहानुभूति आदि भावनाओं को स्वीकार करें। ये आपको खुद को माफ करने में मददगार साबित होंगी।

संपूर्ण कोई नहीं

शायद ही इस जहां में कोई ऐसा हो जो परफेक्ट यानी संपूर्ण हो, सबके अंदर कोई न कोई कमी जरूर है। अगर आप भी अपनी महात्वाकांक्षा के उड़ान पर हैं और आगे बढ़ने की कोशिश में गलतियां किए जा रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। अगर आपसे गलतियां हुई हैं तो इसे दूर कर फिर से कोशिश कीजिए। पुरानी गलतियों को लिए अगर आपने खुद को माफ कर दिया तो यह आगे बढ़ने के लिए आपको प्रेरित भी करेगा।

दूसरों को हावी न होने दें

कई बार आप खुद को माफ करना चाहते हैं लेकिन माफ नहीं कर पाते हैं, क्योंकि दूसरों की भावनाएं आपके ऊपर हावी होती हैं। यानी आपकी छवि आपके प्रकृति के अनुरूप है। तो ऐसे में कोशिश करें कि दूसरों की भावनाओं और उनके विचार को खुद पर हावी न होने दें, हमेशा खुद की सुनें और अपने प्रकृति के अनुसार ही व्यवहार करें।

खुद को सजा न दें

प्यार में धोखा खाने वालों को अक्सर लगता है कि उन्होंने अपने दिल की नहीं सुनी और आकर्षण में खुद की भावनाओं को ठेस पहुंचा दिया। बाद में जब उनका दिल टूटता है तो वे खुद को दुःख देने लगते हैं, खुद को ही प्रताड़ित करते हैं। ऐसा बिलकुल न सोंचे, जो हुआ वह उस समय की मांग थी और आपसे गलती हो गई, वर्तमान में आप जो भी हैं उसपर ध्यान दें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

बदलाव की बयार बहने दें

बदलाव समाज का सच है और वक्त दर वक्त यह बदलाव होता रहता है। ऐसे में आप कैसे पिछड़ सकते हैं, बदलते समाज और बदलते सामाजिक वातावरण के साथ खुद के अंदर भी बदलाव करें। यह भी सोचें कि इस बदलाव का असर आपके जीवन में क्या होगा, और क्या पता इससे आपकी काया ही पलट जाए और सफलता के नये आयाम तक पहुंच जाएं।

संतुलन बहुत जरूरी

जीवन में समता यानी संतुलन बहुत जरूरी है, लेकिन अधिकांश लोगों का जीवन असंतुलित बना हुआ है। हमने एक ऐसी मानसिक स्थिति का निर्माण कर रखा है कि सुख की स्थिति आने पर हम खुशी से उछल जाते हैं और दु:ख की स्थिति में मानो मुरझा जाते हैं जबकि हमें हर स्थिति में एक सा रहना चाहिए। सुख के साथ अहं और दुख के साथ हीनता की ग्रंथि जुड़ जाती है जो हमारे दुखों का मूल है। दुखी व्यक्ति हीन भावना से ग्रस्त होता है और इतना ग्रस्त होता है कि वह निराशा का जीवन जीने लगता है। वह सोचता है, यह संसार मेरे जीने योग्य नहीं है। जीवन में मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है। सारा जीवन बेकार है।

सुख के साथ अहं की ग्रंथि

सुख के साथ अहं की ग्रंथि घुलती है और अब आदमी स्वयं को सम्राट मानकर जीता है। यह अहं भावना उसमें अनेक कुंठाएं पैदा करती हैं। निंदा होती है, आदमी घबरा जाता है, दुखी बन जाता है। प्रशंसा के दो शब्द सुनता है, खुशी से फूल जाता है तब उसे बोलने का पूरा विवेक नहीं रहता। वह अहंकार से ग्रस्त हो जाता है। इस प्रकार अनेक द्वंद्व हैं, जिनकी परिक्रमा हर इंसान कर रहा है। ये सारे द्वंद्व चित्त की स्थिति को विषम बनाए हुए हैं। चित्त की इस विषमता का नाम ही है संसार। हमारी अंतस-चेतना का सुझाव सदा समता की ओर रहता है, किंतु व्यवहार का गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र है कि वह विषमता की ओर खिंचता है।

लक्ष्य को हमेशा याद रखें

जो व्यक्ति समता के साथ जीते हैं उन्हें महान आदर्श माना गया है। यह जिंदगी केवल सुख-सुविधाओं के पीछे पागल बनकर खराब करने के लिए नहीं है। जीवन का लक्ष्य बहुत ऊंचा है। अपनी जिंदगी के उस दूरगामी और ऊंचे लक्ष्य को हमेशा याद रखें और उसी पर अपनी तीव्र दृष्टि टिकाए रखें। अगर इन छोटी-मोटी सुविधाओं को ही जीवन का सार मान लिया जाए तो अपने विपुल वैभव को आप कौड़ियों में गंवा बैठेंगे। अपने इस विपुल खजाने को आप पहचानें, जो प्रकृति से विरासत में मिला है। इस मनुष्य शरीर के साथ मिली महान दैवी शक्तियों का वास्तविक और सही-सही उपयोग तब होगा जब आप ऐसा ऊंचा लक्ष्य बनाएंगे जिसे पाकर इस मनुष्य जीवन का मिलना सार्थक हो जाए। याद रखें, जीवन की सार्थकता भौतिक वस्तुओं या पदार्थों के जरिए उपलब्ध नहीं हो सकती।

गलती को स्वीकारें

खुद को माफ करने की कवायद करने से पहले जरूरी है कि आपने जो गलती की है उसे स्वीकार करें। क्योंकि आपने उस वक्त अपने विवेक से काम नहीं लिया और भावनाओं में बहकर, क्रोध और गुस्से में आकर गलती कर दी। इस बात को समझकर अपनी गलती को स्वीकार कीजिए। सामान्यत: हम अपनी भूलों को उचित ठहराते हैं ताकि अपराध का बोध न हो, पर से काम नहीं बनता। चाहे जो भी औचित्य हम दें अपराधबोध टिका रहता है। हम अपराधबोध का प्रतिरोध करते हैं और वह बना रहता है और फिर कहीं अन्तर की गहराई से हमारे व्यवहार को विकृत कर देता है। हमें अपने द्वारा की गई भूलों के लिए अपराधी महसूस करने का पूरा पूरा अधिकार है। पूर्ण रूप से दुखी बन जाओ पूरे एक मिनट,दस मिनट या पच्चीस मिनट के लिए, लेकिन उससे अधिक नहीं और फिर हम उससे बाहर निकल जाएंगे। भूल को सही साबित करने की बजाय उसे स्वीकार करो। औचित्य सिद्ध करना बहुत सतही है क्योंकि यह अपराधबोध को नहीं हटाता, बल्कि वह हमें अपराध का और भी अधिक बोध कराता है।अपने अपराधबोध के साथ सौ प्रतिशत रहो और वह पीड़ा एक ध्यान की तरह बन जाएगी और अपराधबोध से भारमुक्त करेगी।

खुद को रखें स्ट्रेस फ्री...

वर्किंग लेडी कॉन्सेप्ट से हमारे मन में स्त्रियों की एक स्वच्छंद छवि बन जाती है। यह टर्म उन स्त्रियों के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है जो कि बेहद कुशलता से घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियां निभा रही हों। ऑफिस, घर, सहकर्मी और परिवार को संभालने वाली स्त्रियों को मल्टीटास्कर कहा जाता है। उनसे जुडे लोगों के लिए वे सुपरवुमन से कम नहीं होती हैं। उनकी परेशानियों को हर कोई समझता भी नहीं है, क्योंकि उन्हें अपनी समस्याएं साझा करने की ज्यादा आदत नहीं होती है। पर कभी-कभी आत्मनिर्भर स्त्रियों को भी दोहरी भूमिका निभाते-निभाते अवसाद होने लगता है। जानते हैं वर्क स्ट्रेस के कारण और उसके निवारण के उपाय।

वास्तविकता समझें

आपको यह समझना चाहिए कि ऑफिस का काम आपकी जिंदगी का जरा सा हिस्सा मात्र है। अपनी पूरी एनर्जी को उसमें ही डाल देने का नकारात्मक प्रभाव आपके निजी रिश्तों पर पड सकता है। फेमिली और प्रोफेशन में सही संतुलन बना कर चलें।

करें अपने मन की

आपके अति व्यस्त जीवन में आप खुद को भूलने लगती हैं। कभी-कभी समय निकाल कर अपना विश्लेषण करें। अपनी पसंद-नापसंद, हुनर को समझें और समय दें। पुराने एलबम देखकर भूली-बिसरी यादें भी ताजा कर सकती हैं।

परिवार को भी दें समय

ऑफिस का काम घर पर लेकर न आएं। बचा हुआ सारा समय खुद को व परिवार को समर्पित कर दें, वर्ना परिजन उपेक्षित महसूस करेंगे। डिनर के बाद सबके साथ टहलने जा सकती हैं या बच्चों का होमवर्क करवाएं।

रोज एक ही दिनचर्या अपनाने से बेहतर है कि बीच-बीच में थोडा बदलाव करती रहें। अपने काम से ब्रेक लेकर अपने परिजनों या दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाएं। एक ही टाइमटेबल पर काम करते रहने से बोरियत होने लगती है, इसलिए कुछ बदलाव जरूरी होता है।

सकारात्मक सोच

नकारात्मक विचारों से भी तनाव बढ़ता है। कोशिश करें कि ऐसे विचारों को दूर ही रखें। परफेक्शन के बजाय अपना बेस्ट देने का हरसंभव प्रयास करें। आप मोटिवेशनल किताबें भी पढ सकती हैं। न नहीं कह पाने की आदत की वजह से अपने ऊपर काम का बोझ न बढाती रहें। काम उतना ही करें, जितना आपके बस में हो। इससे आपका तनाव कम होगा और परिवार के लिए समय भी बचा सकेंगी।

वर्कप्लेस पर एक्सरसाइज

अपनी दिनचर्या ऐसे निर्धारित करें कि उसमें फिजिकल वर्क भी शामिल हो। लिफ्ट के बजाय सीढियों का प्रयोग करें। लंच ब्रेक के दौरान वॉक करने की आदत डालें।

रिलैक्स रहें

आराम करने का मतलब सिर्फ वेकेशन पर जाना नहीं होता है। हर 4 से 5 घंटे में दो मिनट के लिए आंखें बंद कर आप खुद को रिलैक्स कर सकती हैं। अगर कंप्यूटर पर ज्यादा काम करना पडता हो, तो बीच-बीच में आंखें बंद करके गहरी सांस लेते रहें।

सोशल नेटवर्क बनाएं

अपनी व्यस्तता के बीच में भी दोस्तों व पडोसियों के लिए समय जरूर निकालें। इससे आपका मूड और माहौल दोनों बदल जाएंगे। उनके साथ घुलने-मिलने से आप रिलैक्स महसूस करेंगी और काम में अपना बेहतर आउटपुट भी दे सकेंगी।

मी टाइम है जरूरी

जब आप वेकेशन पर जाएं, अपने लैपटॉप व फोन से थोडी दूरी बना कर रहें। खुद के साथ समय बिताने की आदत डालें। सिर्फ परिवार या ऑफिस में ही व्यस्त रहेंगी तो स्ट्रेस बढेगा। जितना हो सके, खुश रहें और खुद के लिए भी वक्त निकालें। ज्यादा स्ट्रेस लेने से आप न तो अपने परिवार पर ध्यान दे पाएंगी, न ही ऑफिस के कामों पर। बीच-बीच में रिफ्रेश होते रहने से बैलेंस बना रहेगा।

CONSULTATION WITH
APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
GYNAECOLOGY CLINIC @ GUWAHATI
Saturday, 21st June 2025
Apollo Hospitals Regional Office,
Rajgarh Main Road, Opp-Bylane - 10, Guwahati - 781003
DR. VINUTHA ARUNACHALAM
MBBS, M.D.(Obstetrics & Gynaecology),
DNB (OBG)
Apollo Women's Hospitals, Chennai

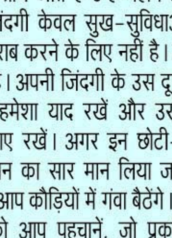

Meet our expert for consultation on:
- Difficulty in getting Pregnant
- Repeated Abortions
- Abnormal Bleeding
- White Discharge
- Tumours of Uterus and Ovary
- Other Gynaecological Problems

For Appointments, Call: 8404037649 / 0361- 3102166

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**